संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 85
पृष्ठ 8
शुक्रवार
13 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- हेयर और स्किन मास्क .....   विचार- लोकतंत्र और न्यायपालिका....   खेल- पाकिस्तान टेस्ट कोच.....

सीएम योगी ने पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा, हनुमान मंदिर, अक्षयवट और संगम पर पहुंचे

प्रयागराज, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक सप्ताह के भीतर बृहस्पतिवार को फिर प्रयागराज पहुंचे। संगम पहुंचकर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही प्रधानमंत्री के सभा स्थल का निरीक्षण किया। इसके पूर्व वह मेला क्षेत्र में बने केंद्रीय अस्पताल का भी जायजा लिया। सीएम ने केंद्रीय हॉस्पिटल की तैयारियों को सराहा। आईसीयू वार्ड के एआई सिस्टम को भी देखा। निरीक्षण के दौरान सबसे ज्यादा समय आईसीयू वार्ड में ही बिताया। योगी ने वेंटिलेशन हॉस्पिटल में वेंटिलेशन बढ़ाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री गंगा रिवर फ्रंट रोड समेत महाकुंभ के कई अन्य निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को संगमनगरी पहुंच रहे हैं। मोदी गंगा पूजन कर महाकुंभ की शुरुआत करेंगे। साथ ही सात हजार करोड़ रुपये की निर्माण परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री अभी सात दिसंबर को आए थे। इससे पहले 27 नवंबर को भी वह आए थे। इस तरह से 15 दिनों में यह उनका तीसरा दौरा है। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर दिन में 12 बजे पुलिस लाइन मैदान पर उतरा। यहां से वह महाकुंभ क्षेत्र के परेड मैदान में बने केंद्रीय अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। फिर किला घाट और वहां बनी जेटी का निरीक्षण किया। इसके बाद संगम नोज पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। योगी ने अक्षयवट, हनुमान मंदिर, सरस्वती कूप का भी निरीक्षण किया। प्रयागराज दौरे पर आए सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम स्थलों का जायजा लिया। सभा स्थल के साथ ही संगम पर बने जेटी, पूजन स्थल के साथ ही सरस्वती कूप, किला घाट, गंगा घाट, अक्षयवट और हनुमान मंदिर कॉरिडोर का जायजा लेते हुए दर्शन पूजन भी किया। मेला कार्यालय पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ दोपहर का भोजन किया और पीएम मोदी के दौरान की गई व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा की। इसके बाद योगी ने सलोरी में एसटीपी का निरीक्षण किया। यहां पर काले पानी को एसटीपी के जरिए साफ करके दिखाया गया, जिसकी सीएम ने तारीफ की और संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के समय सीएम की गाड़ी में ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और नंद गोपाल गुप्ता नंदी मौजूद रहे। सीएम योगी आगे वाली सीट पर चालक के बगल बैठे रहे, जबकि पीछे वाली सीट पर केशव, नंदी और स्वतंत्रदेव बैठे रहे। संगम और हनुमान मंदिर कॉरिडोर के साथ एसटीपी और रिवर फ्रंट का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झूंसी में छतनाग घाट पर पहुंचे। यहां की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

श्री बड़े हनुमानजी का सीएम योगी ने किया पूजन

प्रयागराज दौरे पर आए सीएम योगी ने संगम तट पर श्री बड़े हनुमान (लेटे हनुमान) जी का दर्शन पूजन किया। भोग लगाने के बाद उन्होंने आरती उतारी। उनके साथ मंदिर के महंत बलवीर गिरि के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, स्वतंत्रदेव सिंह, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, सिद्धार्थनाथ सिंह, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी आदि मौजूद रहे। दर्शन पूजन के बाद योगी ने हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निरीक्षण किया। इसके बाद अक्षयवट पहुंचकर दर्शन पूजन करने के बाद यहां चल रहे निर्माण कार्यों और सौंदर्यीकरण का जायजा लिया।

सोरोस और सोनिया के मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहती है कांग्रेस : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में सदन के नेता और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका के विवादास्पद निवेशक जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रही है। राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद श्री नड्डा ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि सदन में लोकतंत्र की मर्यादा का सवाल उठाने वाली कांग्रेस ने समय–समय पर प्रजातांत्रिक प्रणालियों को ताक पर रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुंह से संसदीय प्रणालियों की चर्चा करना हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणालियों की बात करने वाली कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता संसद भवन परिसर में राज्यसभा के सभापति की मिमिक्री की घटना की वीडियोग्राफी करते हैं और अन्य सदस्यों को इसके लिए उकसाते हैं। उन्होंने कहा, " मुझे तो ऐसा लगा जैसे मुझे कॉलेज के दिन याद आए। जब कॉलेज में यूनिवर्सिटी के बाहर कॉलेज के लड़के जैसे करते हैं उसी तरीके की हरकत संसद के परिसर में नेता विपक्ष करते हैं और श्रीमती सोनिया गांधी जी एक शब्द नहीं बोलती ।" उन्होंने कहा कि इससे संसदीय परंपराओं की मर्यादा गिरती है और संसदीय परंपराओं को चोट लगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य श्रीमती गांधी और जॉर्ज सोरस के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि सब यह जानना चाहते हैं कि श्रीमती गांधी का ऐसे व्यक्ति से क्या संबंध है जो व्यक्ति हमारे देश को अस्थिर करना चाहता है और मुसीबत में डालना चाहता है। वह व्यक्ति भारत की संप्रभुता पर प्रश्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इसकी कड़ी निंदा करता है और हम इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएंगे। संसद में उत्पन्न गतिरोध को दूर किए जाने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की बुद्धिमत्ता पर निर्भर करता है कि वह किस तरह का कदम उठाती है।

यूपी में स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार के चंगुल में : अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक बार फिर योगी सरकार पर निशाना साधते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है और स्वास्थ्य सेवाएं दलाली और मुनाफाखोरी की गिरफ्त में है। अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि पहले प्रयागराज में नक़ली प्लेटलेट्स का खुलासा हुआ और अब आगरा में नक़ली दवाई के गोरखधंधे

का भंडाफोड़ हुआ है। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक सब जगह ड्रग माफ़ियाओं का राज चल रहा है। पूरे प्रदेश में नक्कालों का बोलबाला है। इतने बड़े नेटवर्क को चलाने वालों के तार किस सत्ताधारी से जुड़े हैं और उनके सिर पर किसका हाथ है, इसका पर्दाफ़ाश होना ही चाहिए। बृजेश पाठक का नाम लिये बगैर उन पर निशाना साधते हुये उन्होने कहा कि अगर उत्तर प्रदेश में कोई स्वास्थ्य मंत्री हो तो मुख्यमंत्री उन्हें बुलाकर पूछें कि ऐसा क्यों हो रहा है और अगर ये गोरखधंधा पुलिस विभाग की मिलीभगत से हो रहा है तो वो स्वयं इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। जब जाँच हो तो ये भी पता कर लीजिएगा कि कानपुर–प्रयागराज हाईवे पर अल्लीपुर में, आपके समय में बने नये मेडिकल कॉलेज में दरारें क्यों पड़ गयीं और लीकेज क्यों हो रही है? लीकेज होकर भ्रष्टाचार का पैसा किसकी जेब में गया। यादव ने कहा कि अगर इन सब बातों पर चुप्पी साधी गयी तो जनता की शक की सुई किसी भी तरफ़ घूम सकती है। जनता को जीवन की रक्षा के लिए स्वयं ही सचेत और सावधान रहना पड़ेगा। डबल इंजन सरकार प्रदेश की जनता के लिए डबल ख़तरा है।

तमिलनाडु में जोरदार बारिश की चेतावनी, बंद करने पड़े स्कूल

तमिलनाडु, एजेंसी। तमिलनाडु में भारी बारिश के मद्देनजर स्पाइसजेट सहित विभिन्न एयरलाइनों ने 12 दिसंबर को अपने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। इन एयरलाइनों ने यात्रियों को सूचित किया कि भारी बारिश से प्रस्थान, आगमन और परिणामी उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। स्पाइसजेट ने एक्स पर पोस्ट कियाचेन्नई (एमएए) में खराब मौसम (भारी बारिश) के कारण, सभी प्रस्थान/आगमन और उनकी परिणामी उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करते रहें। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तमिलनाडु के कई जिलों में नारंगी और पीला अलर्ट जारी किया है और क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, चेन्नई ने चेन्नई, तिरुवल्लुर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची कुड्डालोर, पेरम्बलुर, तिरुचिरापल्ली, शिवगंगा, रामनाथपुरम, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, करूर, तमिलनाडु के थेनी, डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर, तेनकासी, थूथुकुडी जिले, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

गुजरात में खुला 291वां श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र

सीएम पटेल ने किया अहमदाबाद में 'श्रमिक सविखा केंद्र' का शुभारंभ

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'श्रमेव जयते' मंत्र को चरितार्थ करते हुए अहमदाबाद में राज्य के पहले श्रमिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में दो साल का जश्न मनाने के लिए अहमदाबाद में श्रमिक सविखा केंद्र को समर्पित किया है। एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर सीएम पटेल ने पोस्ट करते हुए लिखा कि श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र आज अहमदाबाद के नरोदा वार्ड में लॉन्च किया गया है। यह अहमदाबाद में 99वां और राज्य में 291वां श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र है। श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र में जाने का अवसर और श्रमिकों को स्नेह से भोजन परोसना बहुत ही मार्मिक था। यह सुविधा कादियानके रोजगार और संविदात्मक श्रम कार्य के लिए एकत्र होने वाले श्रमिकों के लिए एक प्रमुख भोजन और जलपान केंद्र होगी। राज्य सरकार पूरे राज्य में ऐसे श्रमिक सुविधा केंद्र बनाने की योजना बना रही है, जिसमें अहमदाबाद में कुल 11 केंद्र शामिल हैं। श्रम सुविधा केंद्र में कैंटीन और शौचालय सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं बल्कि इस केंद्र का उपयोग श्रम ठेकेदारों के लिए भी किया जा सकता है ताकि वे यहां आ सकें और आवश्यक श्रमिकों को ढूंढ सकें, साथ ही श्रमिकों को भुगतान भी कर सकें। श्रमिक अब सार्वजनिक सड़क पर खड़े होने के बजाय इस श्रमिक सुविधा केंद्र में बैठेंगे और भीषण गर्मी या बारिश से सुरक्षा पा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने जिस स्थान पर श्रमिक सविखा केंद्र का उद्घाटन किया, उसी स्थान पर अहमदाबाद का 99वां श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र और राज्य का 291वां श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र भी शुरू किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र जाकर श्रमिकों को भोजन परोसा गया। राज्य सरकार का लक्ष्य राज्य भर में 99 और श्रमिक अन्नपूर्णा केंद्र स्थापित करना है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के निर्देशन में राज्य में श्रमिकों के सम्मान की प्रक्रिया मजबूत हुई है, श्रमिकों को रियायती दरों पर भोजन, चाय और नाश्ता मिलने लगा है और अब आराम करने और इकट्ठा होने के लिए एक सुविधाजनक स्थान मिल गया है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर

बस्तर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दक्षिण अबूझमाड़ में गुरुवार सुबह नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में अब तक सात नक्सली मारे गये हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस को सात नक्सलियों के शव मिल चुके हैं। मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी स्तर के बड़े नक्सली के मारे जाने की सूचना मिली है। आज तड़के तीन बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुकद् रुक कर गोलीबारी हो रही है। पुलिस के अनुसार, नक्सल विरोधी सर्च अभियान में मंगलवार को नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के साथ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) तथा सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रभात कुमार ने कहा है कि क्षेत्र में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने नेपाल के सेना प्रमुख को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में आज गुरुवार को सुप्रबल जनसेवाश्री जनरल अशोक राज सिगदेल को भारतीय सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की। अशोक राज सिगदेल नेपाली सेना के प्रमुख हैं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह में अशोक राज सिगदेल को उनकी सराहनीय सैन्य शक्ति और भारत के साथ नेपाल के दीर्घकालिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और बढ़ावा देने में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। नेपाल के सेनाध्यक्ष सुप्रबल जनसेवाश्री जनरल अशोक राज सिगदेल 11

● 11 से 14 दिसंबर तक भारत की यात्रा पर हैं नेपाल के सेनाध्यक्ष

से 14 दिसंबर तक भारत की यात्रा पर हैं। जनरल अशोक राज सिगदेल की यात्रा का उद्देश्य भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग सुदृढ़ करना और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करना है। नेपाल के सेना प्रमुख ने 11 दिसंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और साउथ ब्लॉक लॉन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया था।

मैं अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता हूं... सड़क हादसों पर बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ी हैं और चीजों में सुधार के लिए मानव व्यवहार में बदलाव होना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब उन्होंने पहली बार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था तो उन्होंने दुर्घटनाओं को 50प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा था। गडकरी ने कहा कि दुर्घटनाओं की संख्या कम करने के बारे में भूल जाइए, मुझे यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि इसमें वृद्धि हुई है। नितिन गडकरी ने आगे कहा कि जब मैं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने जाता हूं जहां सड़क दुर्घटनाओं पर चर्चा होती है, तो मैं अपना चेहरा छिपाने की कोशिश करता हूं। मंत्री, जो प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, ने कहा कि चीजों में सुधार के लिए, भारत में मानव व्यवहार को बदलना होगा, समाज को बदलना होगा और कानून के शासन का सम्मान करना होगा। गडकरी ने कहा कि देश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में 1.78 लाख लोगों की जान जाती है

हम संविधान के सिपाही, न झुकेंगे, न दबेंगे, न रुकेंगे...

सभापति जगदीप धनखड़ पर खड़गे ने फिर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर से सभापति जगदीप धनखड़ पर निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष के 'बोलने का अधिकार' और 'विचारों की अभिव्यक्ति' का हनन आम बात हो गई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्यसभा के सभापति धनखड़ लगातार टीकाटोकी कर तथा सत्यापन की अनावश्यक जिद कर विपक्ष की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सदैव दबाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा के सभापति सदन के बाहर विपक्ष के नेताओं की बार–बार आलोचना करते हैं, अक्सर सत्तारूढ़ दल की दलीलें दोहराते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष समेत विपक्षी सदस्यों के भाषणों के महत्वपूर्ण अंशों को राज्यसभा के सभापति मनमाने एवं दुर्भावनापूर्ण तरीके से सदन की कार्यवाही से निकालने का नियमित रूप से निर्देश देते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने मूर्तियों को दूसरी जगह स्थापित करने, सुरक्षा तंत्र में बदलाव जैसे मामलों पर एकतरफा फैसले किये। खरगे ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर पद के दुरूपयोग का आरोप लगाया और कहा कि उनके आचरण से निष्पक्षता के बारे में गंभीर चिंता पैदा होती है। अपने पोस्ट में खड़गे ने लिखा कि अध्यक्ष सदन में और सदन के बाहर भी सरकार की अनुचित चापलूसी करते दिखते हैं। प्रधानमंत्री को महात्मा गांधी के बराबर बताना, या प्रधानमंत्री की जवाबदेही की माँग को ही ग़लत ठहराना, ये सब हम देखते आए हैं। अगर विपक्ष वॉकआउट करता है तो उसपर भी टिप्पणी करते हैं, जबकि वॉकआउट संसदीय परंपरा का ही हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति ने रूल 267 के तहत कभी भी किसी भी चर्चा की अनुमति नहीं दी है। विपक्षी सदस्यों को नोटिस पढ़ने की भी अनुमति नहीं देते हैं। जबकि पिछले तीन दिनों से सत्ता पक्ष के सदस्यों को नाम बुला बुला कर रूल 267 में नोटिस पर बुलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों को मंत्रियों के स्टेटमेंट पर अब सवाल नहीं पूछने देते हैं। राज्यसभा में स्टेटमेंट पर स्पष्टीकरण की परंपरा थी, वो भी बंद कर दी है। संसद में सदस्यों को अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है। लेकिन सभापति महोदय विपक्ष को लगातार टोकते हैं, उन्हें अपनी बात पूरी करने का मौका नहीं देते हैं। विपक्ष से बिना वजह प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, जबकि सत्ता पक्ष के सदस्यों को, मंत्रियों को और प्रधानमंत्री को कुछ भी कहने देते हैं। वो कोई भी झूठ सदन में कह दें, कोई भी फेक न्यूज़ फैला दें, उन्हें कभी नहीं रोकते।

महानिर्वाणी अखाड़े ने डाली महाकुंभ में शाही स्नान की परंपरा, सबसे पहले निकलता है जत्था

प्रयागराज। महाकुंभ में अखाड़ों की धर्म ध्वजा की स्थापना से लेकर शाही स्नान तक की परंपरा की शुरुआत भी निराली है। पहली बार महाकुंभ में पेशवाई के बाद मकर संक्रांति पर्व पर महानिर्वाणी अखाड़े के नागा संन्यासियों ने अस्त्र–शस्त्र के साथ सज–धज कर शाही स्नान किया था। तभी से विश्व के इस सबसे बड़े सांस्कृतिक–आध्यात्मिक समागम के मेले में दुनिया नागाओं के शाही स्नान की झलक के लिए उमड़ती आ रही है। इस बार महाकुंभ में पहला शाही स्नान 14 जनवरी 2025 को होगा।महाकुंभ में पेशवाई और शाही स्नान की पंरपवा महानिर्वाणी अखाड़े के नागा संन्यासियों ने शुरू की। श्रीमहंत लालपुरी की पुस्तक श्दशनाम नागा संन्यासी एवं श्रीपंचायती अखाड़ा महानिर्वाणीश में पेशवाई और शाही स्नान की शुरुआत का विस्तार से उल्लेख है। महंत लालपुरी लिखते हैं कि अखाड़े के ईष्टदेव कपिल मुनि और भगवान शिव के मिलन पर होने वाले श्हरिहरश की पावन ध्वनि के जयघोष के बाद इस अखाड़े के संतों ने कंगन पूजा और अग्निहोत्र के रूप में हर्रास पूजा की थी। इस पुस्तक में महंत लाल पुरी ने इस घटना का बखूबी चित्रण किया है। वह लिखते हैं कि इसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े के संस्थापक संतों और हजारों नागा सन्यासियों ने हर्रास के साथ प्रयागराज के कुंभ में प्रवेश किया था। महानिर्वाणी अखाड़े के श्रीपंचों के हर्रास के साथ शोभायात्रा की शक्ल में महाकुंभ में प्रवेश किया था। पंच दशनाम महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रवींद्रपुरी बताते हैं कि प्रयागराज के महाकुंभ में पहली बार मकर संक्रांति के दिन महानिर्वाणी अखाड़े के नागा संन्यासियों ने पर्व–ध्वजा की स्थापना कर हाथों में भाला के अलावा अन्य अस्त्र–शस्त्र लेकर स्नान किया था। इसके बाद दूसरे संतों और श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया था। बाद में इसी को शाही स्नान के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इसी परंपरा का पालन करते हुए अब भी महाकुंभ में महानिर्वाणी अखाड़ा ही सबसे पहले शाही स्नान के लिए निकलता है। इस अखाड़ेकी छावनी में दो ध्वजाओं की स्थापना अब भी की जाती है। महानिर्वाणी अखाड़े के नागाओं ने पहली बार संगम की रेती पर मास पर्यंत रहकर वंसत पंचमी के दिन महाकुंभ पर्व का आखिरी स्नान किया था। सुसज्जित रूप में छावनी से निकलकर संगम पर नागाओं के इस शाही स्नान में दशनामी परंपरा के सभी संन्यासियों ने हिस्सा लिया था। तभी से महानिर्वाणी के बाद बारी –बारी से सभी अखाड़े शाही स्नान के लिए सुबह से शाम तक निकलते रहते हैं।

मात्र 3200 रुपये अतिरिक्तखर्च से बना देश का पहला एआई निगरानी वाला आईसीयू

प्रयागराज। महाकुंभ मेला क्षेत्र में छावनी अस्पताल ने देश का पहला एआई निगरानी वाला आईसीयू वार्ड तैयार किया है। आम कैमरों को संजीवनी एआई साफ्टवेयर से जोड़कर मात्र 3200 रुपये में यह उपलब्धि हासिल की गई है। मरीजों के उलझन, छाती में दर्द, सांस फूलना, दर्द और घबराहट बोलते ही शीर्ष तीन अफसरों के फोन पर अलार्म बजेगा। ओके लिखने पर ही यह बंद होगा। सीएम योगी बृहस्पतिवार को इसका डेमो लेंगे। कैंटोनमेंट बोर्ड के छावनी सामान्य अस्पताल ने मेला क्षेत्र के केंद्रीय सामान्य अस्पताल और अरैल स्थित सब हॉस्पिटल में देश के पहले एआई निगरानी वाले 10–10 बेड के दो आईसीयू तैयालर किए हैं। इन वार्डों में पांच–पांच कैमरे लगाए गए हैं। इन्हें मॉनीटर से जोड़ा गया है। यहां लगे कैमरे आम हैं, जिन्हें एआई बेस्ड संजीवनी साफ्टवेयर से जोड़कर खास सुविधा से लैस कर दिया गया है। वार्ड में भर्ती किसी मरीज के मॉनीटर में ब्लड प्रेशर और ऑक्सीजन लेवल के निश्चित सीमा से अधिक या कम दिखने पर अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. राकेश शर्मा, लखनऊ मेदांता के चिकित्सक और छावनी सामान्य अस्पताल के निदेशक एसके पांडेय के मोबाइल फोन का अलार्म बजा देगा। कोई मरीज अगर दर्द, उलझन, छाती में दर्द, घबराहट और सांस फूलने की बात कहता है तो भी एआई बेस्ड कैमरे इसे सुनकर तुरंत अलार्म बजा देंगे। मोबाइल फोन का अलार्म तभी बंद होगा, जब इसका रिप्लाई ओके में देंगे। इसके बाद तीन मिनट के अंदर मरीज के पास चिकित्सक का पहुंचना अनिवार्य होगा। छावनी बोर्ड के सीईओ मोहम्मद समीर इस्लाम के मुताबिक एआई तकनीक से अनूठा आईसीयू वार्ड तैयार करने में सिर्फ 3200 रुपये खर्च हुए हैं। यह राशि एआई सॉफ्टवेयर के सालाना लाइसेंस की फीस बतौर चुकाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां की सुविधाओं का डेमो लेंगे। इसके लिए यहां आठ मिनट का समय निर्धारित किया गया है। आईसीयू में एआई ट्रांसलेटर एप का भी इस्तेमाल किया जाएगा। यह देश के विभिन्न राज्यों की 22 और 19 विदेशी भाषाओं को हिंदी और अंग्रेजी में बदलकर चिकित्सक तक पहुंचा देगा। इससे मरीज अपनी स्थानीय भाषा में चिकित्सक से बात कर सकेगा। चिकित्सक के पास अंग्रेजी और हिंदी में बात पहुंचेगी। चिकित्सक जिस भाषा में चाहे जवाब दे, मरीज को सुनाई उसकी स्थानीय भाषा में देगा। इससे महाकुंभ के दौरान मरीजों के इलाज में भाषा किसी तरह की बाधा उत्पन्न नहीं कर सकेगी। एआई आधारित आईसीयू के जरिये गंभीर मरीजों के इलाज में बड़ी मदद मिलेगी। विश्व के सबसे बड़े आयोजन में ऐसी सुविधा का चालू होना अनूठी पहल है। इसके लिए मैं छावनी सामान्य अस्पताल को बधाई देता हूं।

सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर जिपं सदस्य ने जतायी नाराजगी

गंगापार। मेजारोड बाजार के पटेल चौराहे से सिरसा मेजारोड मार्ग तक पहुंचने वाली संपर्क मार्ग के निर्माण कार्य में गुणवत्ता नहीं है। सड़क निर्माण में मानक के अनुसार कार्य न होने पर जिला पंचायत सदस्य आरती यादव ने भारी नाराजगी जताई है। आरती यादव ने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत प्रयागराज को शिकायती पत्र भेजकर सड़क निर्माण में की जा रही धांधली की तत्काल जांच करने की मांग की। बताया उनके मांग पर जिला पंचायत की ओर से सड़क मरम्मत के लिए लगभग आठ लाख रुपये स्वीकृत हुआ है। गुणवत्ता युक्त सड़क का निर्माण न होने से कुछ दिन बाद सड़क का अस्तित्व मिट जाएगा।

आज से चालू हो जाएगा सिरसा पांटून पुल

गंगापार। मदरामुकुन्दपुर टेला गंगा घाट व करछना के दुमदुमा गंगाघाट पर निर्मित होने वाला पांटून पुल इस वर्ष नहीं बन सकेगा। इन दोनों पुलों के पीपे प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित होने वाले मेले में निर्मित होने वाले पांटून पुल के लिए मंगा लिए गए हैं, जबकि सिरसा गंगाघाट पर निर्मित होने वाला पांटून पुल बनकर लगभग तैयार हो चुका है। यह पुल दो पहिया व पैदल यात्रियों के आवागमन के लिए शनिवार से शुरू कर दिया जाएगा, जबकि चार पहिया वाहनों का आवागमन शुरू होने में अभी सप्ताह भर का समय लग सकता है। सिरसा पुल के ठेकेदार अभिमन्यु निषाद ने बताया कि पुल बनकर तैयार हो चुका है। इस पुल के दोनों ओर पायल लगाया जाना बाकी है। पायल लग जाने के बाद चार पहिया वाहन भी आवागमन कर सकेंगे। ठेकेदार ने बताया कि गंगापार की तरफ बालू के रेत में कुछ जगह दलदल होने की वजह से रेत पर बिछाई जाने वाली चकर्ड प्लेट नहीं बिछाई जा सकी है। दलदल जमीन सूख जाने के बाद चकर्ड प्लेट बिछा दी जाएगी।

लुभाती रहीं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय शिल्प मेला की सांस्कृतिक संध्या के समापन की पूर्व संध्या पर देश के विभिन्न प्रांतों से आएं कलाकारों ने अपने यहां के लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक पोशाक व ढोल की थाप पर पंजाबी कलाकारों ने भांगड़ा नृत्य से समां बांधा तो आशा देवी व साथी कलाकारों ने झूमर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की। पांचाली और साथियों ने त्रिपुरा का होजागिरी नृत्य और मथुरा से आए नरेंद्र शर्मा व दल ने ब्रज के लोकनृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को तालियां बजाने पर विवश कर दिया।

नकली प्लेटलेट्स चढ़ाने से मरीज की मौत के मामले में सीएमओ से शिकायत

प्रयागराज। पिछले माह शहर के निजी अस्पताल में नकली प्लेटलेट्स चढ़ाने से जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर निवासी वैभव गुप्ता की मौत के मामले में बुधवार को सीएमओ से शिकायत की गई है। मृतक की पत्नी पूजा गुप्ता ने लिखित शिकायत दर्ज कर बताया कि 15,500 रुपये में एक बिचौलिए ने मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) से प्लेटलेट्स दिलाने की बात कही थी। जिसे चढ़ाने के कुछ घंटे बाद ही उसके पति की मौत हो गई। इसकी शिकायत पूजा गुप्ता ने शाहगंज थाने में की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूजा गुप्ता ने बताया कि उसके पति वैभव गुप्ता को डेंगू हो गया था। बीते नवंबर में उसने पति को लोक सेवा आयोग के नजदीक एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने बताया कि मरीज को छह यूनिट प्लेटलेट्स की जरूरत है। पूजा के एक रिश्तेदार ने बिचौलिए के जरिये उसे 15,500 रुपये में छह यूनिट प्लेटलेट्स दिलाई। उस पर कॉल्विन अस्पताल का नाम चस्पा था। महिला का आरोप है जैसे उनके पति को प्लेटलेट्स चढ़ाई गई। उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें सात नवंबर को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। जहां आठ नवंबर को निजी अस्पताल में उनकी मौत हो गई। महिला ने सीएमओ को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि प्लेटलेट्स नकली होने के शक में कॉल्विन के ब्लड बैंक में पड़ताल की गई तो पता चला कि ये प्लेटलेट्स वहां की नहीं थी। पर्ची पर भरी गईं जानकारियां और एक्सपायरी डेट भी संदिग्ध थीं। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सूबे की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए 'एक्स' पर ट्वीट किया था। उन्होंने निंदा करते हुए नकली प्लेटलेट्स, रक्त और दवाइयों को बेचने वालों को तत्काल पकड़ने की बात कही थी। कहा था कि पूरे प्रदेश में प्रयागराज की रैंकिंग सबसे निचले स्थान पर आई है। यह भी कहा था कि महाकुंभ के नाम पर प्रयागराज को अरबों का बजट दिया गया। विकास तो हुआ नहीं पर विनाश जरूर हो गया। किसी बिचौलिए के माध्यम से प्लेटलेट्स लेना सही नहीं है। जबकि अस्पतालों में प्लेटलेट्स आसानी से उपलब्ध है। इस मामले में अगले दो दिनों के अंदर टीम गठित कर जांच कराई जाएगी।

प्रयागराज में कक्षा 10 तक के स्कूल शुक्रवार को रहेंगे बंद, पीएम मोदी के आगमन के मद्देनजर लिया गया फैसला

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश

शुक्रवार यानी 13 दिसंबर को जिले भर के कक्षा दस तक के सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों पर लागू होगा। मोदी के आगमन के मद्देनजर ट्रैफिक डायर्जन के चलते बच्चों और शिक्षकों को स्कूल पहुंचने में होने वाली देरी के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। स्कूल भले ही बंद रहेंगे लेकिन पढ़ाई ऑनलाइन होगी।

बृहस्पतिवार को बीएसए और डीआईओएस ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने जारी अपने आदेश में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन के मद्देनजर यातायात डायवर्जन के चलते परिषदीय, मान्यता प्राप्त, अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल और समस्त बोर्डों के अंग्रेजी और हिंदी माध्यम से संचालित कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में ऑफलाइन शिक्षण कार्य 13 दिसंबर को स्थगित रहेगा। ऑनलाइन शिक्षण गतिविधियां संचालित रहेंगी। इसका कड़ाईसे पालन किया जाएगा। इसी तरह डीआईओएस पीएन तिवारी ने भी आदेश जारी किया है।

अंतरिक्ष से भी दिखेगा महाकुंभ, इसरो की सेटेलाइट लेंगी तस्वीरें

प्रयागराज। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ का भागीदार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भी बनेगा। बताया जा रहा है कि अंतरिक्ष से महाकुंभ की तस्वीरें इसरो की सेटेलाइट से ली जाएंगी। सभी स्नान पर्वों के दौरान सेटेलाइट से महाकुंभ मेला क्षेत्र की विशेष निगहबानी भी की जाएगी। प्रयागराज महाकुंभ में इस बार 40 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया जा रहा है। कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने विशेष व्यवस्था की है। खास बात यह है कि इस बार सेटेलाइट से भी महाकुंभ मेले पर नजर रखी जाएगी। हालांकि, वर्ष 2019 में इसरो ने कुंभ की तस्वीरें ली थीं। तब 16 जनवरी को इसरो द्वारा कुंभ क्षेत्र की दो तस्वीरें जारी भी की गई थीं। उन तस्वीरों में संगम क्षेत्र और तट पर जमा लाखों श्रद्धालु दिखे थे। तब इसरो ने अपने ट्विटर अकाउंट (अब एक्स) से फोटो शेयर करते हुए लिखा था कि कुंभ मेला–2019 की दो तस्वीरें रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट कार्टोसैट–2 से ली गई हैं, जो कुंभ के क्षेत्र को दिखा रही हैं। बता दें इसरो द्वारा जारी की गई उन तस्वीरों में गंगा और यमुना का संगम दिखने के साथ ही उनके रंग का अंतर भी साफ दिख रहा था। हालांकि, ब्लैक एंड व्हाइट इमेज में यमुना का जल काला और गंगा जल हल्का काला दिख रहा था। यमुना में चल रही नावें भी तस्वीर में कैद हुई थीं। इतना ही नहीं गंगा में बनाए गए पांटून पुल भी सेटेलाइट इमेज में लकीर जैसे दिखे थे। इसके अलावा ओडी फोर्ट, नया यमुना पुल, संगम के आसपास की वाटर बैरिकेडिंग आदि सब कुछ सेटेलाइट इमेज में दिखी थी। 2019 के मुकाबले इसरो अब तकनीकी रूप से कहीं ज्यादा मजबूत हो गया है। ऐसे में उम्मीद है कि महाकुंभ–2025 के दौरान इसरो की सेटेलाइट द्वारा महाकुंभ से जुड़ी बेहतरीन तस्वीरें जारी की जाएंगी। हालांकि, सुरक्षा की दृष्टि से इसरो के बारे में मेला प्रशासन अभी कुछ भी कहने से बच रहा है।

रेलवे मान्यता चुनाव के लिए मतगणना जारी, गड़बड़ी की आशंका को लेकर भड़के रेलकर्मी

प्रयागराज। डीआरएम ऑफिस में रेल यूनियन मान्यता चुनाव के लिए मतगणना जारी है। इसको लेकर बृहस्पतिवार को सुबह से ही गहमा गहमी की स्थिति बनी हुई है। मतगणना शुरू होने के बाद पहले राउंड का आंकड़ा न जारी करने पर रेलकर्मियों ने गड़बड़ी की आशंका जाहिर करते हुए हंगामा किया और विरोध प्रदर्शन किया। उत्तर मध्य रेलवे जोन में किस यूनियन को इस बार मान्यता मिलेगी, इसका फैसला कुछ देर में हो जाएगा। चार से छह दिसंबर तक चली मतदान प्रक्रिया के बाद अब मतगणना शुरू हो गई है। जोन के कुल छह स्थानों पर मतगणना की जा रही है। रेलवे यूनियन मान्यता का चुनाव चार, पांच और छह दिसंबर को हुआ। एनसीआर जोन के 65,734 कर्मचारियों में से 52,802 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इस तरह से यहां 80.33 फीसदी मतदान हुआ है। मान्यता के चुनाव में नार्थ सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज संघ, नार्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे कर्मचारी संघ, स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन और उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के बीच मुकाबला है। मतदान प्रक्रिया बैलेट पेपर के माध्यम से हुई है। प्रयागराज मंडल में 76.82 फीसदी, आगरा मंडल में 82.51 फीसदी और झांसी मंडल में मतदान प्रतिशत 82.77 रहा। मतगणना प्रयागराज में डीआरएम ऑफिस और एनसीआर मुख्यालय में हो रही है। इसके अलावा झांसी में डीआरएम ऑफिस और वर्कशॉप झांसी, सिथौली कारखाना ग्वालियर और डीआरएम ऑफिस आगरा में भी सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू है। बैलेट पेपर से हुए मतदान की वजह से देर शाम तक ही परिणाम आने की संभावना है। चुनाव में कुल वोटों का 30 प्रतिशत या वैध मतों का 35 फीसदी वोट प्राप्त करने वाली यूनियन को मान्यता मिल सकेगी।

जिला जज की रिपोर्ट के विपरीत हलफनामा दाखिल करने पर आजमगढ़ के एसपी तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चेक अनादरण मामले में तीन साल बाद भी वारंट तामील नहीं करा पाने व भ्रामक हलफनामा दाखिल करने पर पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ को

व्यक्तिगत हलफनामे संग 16 दिसंबर को तलब किया है। कोर्ट ने एसपी से जिला जज की रिपोर्ट के विपरीत हलफनामा दाखिल करने पर सफाई मांगी है। साथ ही जिला जज को संबंधित मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण लेकर नई रिपोर्ट पेश करने का निर्देश भी दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की अदालत ने प्रकाश इलेक्ट्रिकल्स की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता अनूप बर्नवाल ने दलील दी कि एन.आई एक्ट के तहत नूरूल हसन के खिलाफ इस्तगासा दायर किया गया था। कोर्ट ने सम्मन जारी किया। हाजिर नहीं होने पर कई बार जमानती वारंट जारी किया, लेकिन नूरूल हसन पेश नहीं किया जा सका। तीन साल से अधिक समय बीता, 20 तारीखें लगीं। जबकि, केस नियमानुसार छह माह में तय हो जाना चाहिए इससे पहले कोर्ट ने एसपी से व्यक्तिगत हलफनामा तलब कर वारंट तमील नहीं होने का कारण पूछा था। इस पर आजमगढ़ के एसपी ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि 26 जुलाई 24 को जारी वारंट संग कांस्टेबल को मुल्जिम के लखनऊ के पते पर भेजा गया था। लेकिन, उसका पता नहीं चल सका। कोर्ट ने इस हलफनामे को संतोषजनक नहीं माना। जिला जज से रिपोर्ट मांगी। जिला जज ने बताया कि पांच मार्च 24 को पुलिस पैरोकार को वारंट दिया गया था। एसएचओ ने तामील की कोई रिपोर्ट नहीं दी। एसएचओ से सफाई मांगी गई है। कोर्ट पाया कि जिला जज की रिपोर्ट के मुताबिक एसपी ने हाईकोर्ट को भ्रामक और गलत जानकारी दी है या उनके अधीनस्थ अधिकारी ने उन्हें गुमराह किया है।

कुम्भ के मूल स्रोत ज्ञान और संस्कारः जलशक्तिमंत्री

प्रयागराज। प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में 'कुम्भ के विविध आयामरू धार्मिक, सामाजिक और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य विषय पर तीन दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कुम्भ एक आध्यात्मिक समागम है। ज्ञान और संस्कार इसके मूल स्रोत हैं। प्रधानमंत्री ने 2047 तक शक्तिशाली भारत का जो स्वप्न देखा है, उस शक्तिशाली भारत का निर्माण ज्ञान के रचनात्मक स्वरूप और संस्कार से ही निर्मित होगा। नकारात्मक ज्ञान को समाप्त करने की अभिप्रेरणा भी इसी आध्यात्मिक समागम से अर्जित होगी। कुम्भ सनातनी भारतीय परम्परा का प्राचीनतम आयोजन है। यह मात्र धार्मिक संगम ही नहीं बल्कि समाज और मानवता के उन्नयन के समागम का पर्व है। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने कहा कि अकादमिक जगत में कुम्भ पर पर्याप्त विचार हुआ है। वैदिक दर्शन में कुम्भ के संकेत मूलतः ज्ञान और मानव कल्याण की अवधारणा में निहित है। पौराणिक दर्शन में समुद्र मंथन की कथा विभिन्न दृष्टिकोणों से कुम्भ की इसी मान्यता को स्थापित करता है। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कुम्भ के प्रारम्भिक उल्लेख 5000 वर्ष पूर्व ऋग्वेद में प्राप्त होते हैं। 5000 वर्षों की यह सुदीर्घ परम्परा सनातन धर्म के सशक्त दार्शनिक आधारों पर अवलम्बित है। आरके श्रीवास्तव की आत्मकथा 'माई लाइफ का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कृष्णमोहन, प्रो. अमिता पांडेय, प्रो. रचना सिंह आदि मौजूद रहे। मुख्य वक्ता अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय भोपाल के प्रो. राजेश मिश्र ने कहा कि कुम्भ मात्र धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन ही नहीं है, अपितु यह सामाजिक जीवन के त्याग, तपस्या और साधना के 12 वर्षीय अनुष्ठान का प्रतीक है। कहा कि द्वादश इंद्रियों पर विजय ही कुम्भ है, जिससे शरीर का कल्याण होता है। मनुष्य में सदैव ही विवेक और अविवेक के मध्य संघर्ष होता है।

पुलिस की स्पेशल ड्यूटी से थाने खाली

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने वाले महाकुम्भ मेला की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के आला अधिकारी कामों का लगातार सर्वेक्षण कर रहे है। उनकी सुरक्षा में स्थानीय पुलिस कर्मियों को लगाया जाता है। स्पेशल ड्यूटी में रहने के कारण थाना व चौकी खाली हो जाती है जिससे थाने व चौकी में आने वाले फरियादियों को भारी मुश्किल होती है। हंडिया व उतरांव, सराय ममरेज थाने में तैनात पुलिस कर्मियों को कुम्भ मेले के मद्देनजर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ड्यूटी में लगाया जा रहा है। कोतवाल व थानाध्यक्ष की ड्यूटी भी लगाई जाती है।

15 से तीन और आरओबी पर शुरू होगा आवागमन

प्रयागराज। अलोपीबाग फ्लाईओवर पर आवागमन शुरू होने के बाद सेतु निगम अपने तीन और रेलवे ओवर ब्रिज को खोलने की तैयारियों में जुट गया है। इसके लिए अधिकारियों ने 15 दिसंबर की तारीख तय की है। इसमें से आईईआरटी, चालीस

नंबर गुमटी और गोहरी आरओबी की दूसरी लेन शामिल है। तीनों आरओबी पर अब सिर्फ डामर डालने का काम बाकी है, जिसे दो दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। जबकि साउंड बैरियर और क्रैश बैरियर पर कुम्भ पर आधारित पेंटिंग का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य परियोजना प्रबंधक मनोज अग्रवाल ने बताया कि तय समय पर तीनों ब्रिज आवागमन के लिए खोला जाएगा।

महामंडलेश्वर ने गौ हत्या पर जताई नाराजगी, कंप्यूटर बाबा बोले- 17 दिसम्बर को विधानसभा का करेंगे घेराव

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा ने प्रेसवार्ता किया। बीते दिनों गौतम बुद्ध नगर में 340 टन गौ मांस बरामद होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ये बेहद अफसोसनाक है की हत्या के बाद अवशेष को गंगा में बहाया गया। सीएम योगी से हमारी मांग है कि इसमें जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है तत्काल उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा ने कहा कि हम लोग लगातार गौ हत्या के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में जो 340 टन मास गौ रक्षा दल के सहायता से पकड़ा गया। इससे साफ जाहिर होता है की इतनी बड़ी संख्या में प्राप्त हुए गौ मास के लिए 10 हजार से अधिक गायों हत्या की गई होगी। उत्तर प्रदेश संतों की धरती है और यहां इतनी बड़ी संख्या में गौ हत्या कैसे हो रही है, ये चिंता का विषय है। कम्प्यूटर बाबा ने कहा कि प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ शुरू होने वाला है। गौ हत्या में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि हत्या के बाद गौ अवशेष गंगा नदी में बहा दिया। जिससे गंगा का जल दूषित , अपवित्र हो गया। यह सीधे तौर पर महाकुंभ को विफल बनाने की साजिश है। महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाते हैं। अब इस दूषित जल में कैसे स्नान करेंगे। गंगा को जबतक शुद्ध नहीं किया जाएगा जल आचमन करने लायक नहीं रहा। महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा कि उत्तर प्रदेश सरकार से तीन प्रमुख मांग।गौ हत्या के बाद अवशेष को गंगा में बहाया गया था। इस कारण गंगा का जल अपवित्र हो गया है। सरकार उस अवशेष को साफ कराकर गंगा के शुद्धिकरण के लिए उपाय निकाले। गाजियाबाद स्थित साहिबाबाद के कोल्ड स्टोरेज और बूचड़खानों पर बुलडोजर चलाया जाए। गौ हत्या के आरोपियों के ऊपर रासुका के तहत कार्रवाई की जाए। उत्तर प्रदेश सरकार गाय को राज्यमाता का दर्जा दे। जिस प्रकार महाराष्ट्र सरकार में पहले ही गाय को राज्य माता का दर्जा प्राप्त है। महामंडलेश्वर ने कहा कि गौ हत्या की खबर से सनातन धर्म के प्रत्येक व्यक्ति में अफसोस के साथ आक्रोश है। हमने सीएम योगी से मुलाकात करने का प्रयास किया मगर भेंट नहीं हो पाई। 16 दिसंबर तक मांग पूरी नहीं हुई तो 17 दिसंबर को लाखों की संख्या में साधु संत और गाय प्रेमी लखनऊ कूच करेंगे। विधानसभा के अंदर शीतकालीन सत्र चलेगा और बाहर हम लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे। बांग्लादेश में

अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे अत्याचार का भी महामंडलेश्वर ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि बेहद दुख की बात है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के ऊपर खुलेआम अत्याचार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हैं कि तत्काल बांग्लादेश के ऊपर सर्जिकल स्ट्राइक करें। भारत के साधु संतों को बांग्लादेश के ऊपर चढ़ाई करने की अनुमति दें। जब तक कड़ा कदम नहीं उठाया जाएगा बांग्लादेश में अत्याचार बंद नहीं होगा।

शोभा यात्रा निकाली गई

प्रयागराज। पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के तीन सौ वर्ष पूरे होने पर उनके द्वारा राष्ट्र मे सनातन धर्म संस्कृति न्याय प्रिय शासन व्यवस्था समाज तथा नारियों के उत्थान मे किये आविसमरणीय कार्यो को जीवन्त करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष के रूप मे पूरे वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मना रहा है इसी क्रम मे आज प्रयाग उत्तर भाग के लक्ष्मी टाकीज चौराहे से भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी शोभा यात्रा मे शोभायात्रा की झांकी मे श्रीमती अनीता सिंह ने आहिल्यावाई होल्कर का रुप बनाकर रथ पर चली।शोभायात्रा लक्ष्मी टाकीज चौराहे से कचहरी नेतराम चौरहा मनमोहन पार्क विश्वविद्यालय से होता हुआ लक्ष्मी टाकीज चौराहे पर विसर्जित हुआ इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक नागेंद्र जी ने लोकमाता द्वारा तेरह ज्योर्तिलिंगो के पुनर्निर्माण तथा आक्रान्ताओ द्वारा तोड़े गये सैकड़ों हिन्दू मन्दिरों के पुनर्निर्माण और न्याय प्रिय शासन व्यवस्था तथा महिलाओं के उन्नति के लिए कियेदर गये को विषम् परिस्थितियों मे एक गरीब परिवार से निकल वान्धय जीवन जीते हुए कितनी कुशलता के साथ राष्ट्रधर्म, राजधर्म को निभाया और सनातन धर्म के प्रतिको पुर्ननिर्माण मे और अनेक युद्धो मे आक्रान्ताओ के धूल धूसरितकर मॉ भारती का मान बढ़ाया है ऐसे मॉ स्वारुपा आहिल्यावाई होल्कर को नमन करते है उनका जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्रोत है शोभा यात्रा मे प्रमुख रुप से काशी प्रान्त के प्रचार प्रमुख मुरार जी त्रिपाठी राष्ट्रीय स्वयंसेविका समिति काशीप्रान्त की कार्यवाहिका माया मुकेश भाग कार्यवाह शिव प्रताप जिला प्रचारक राजेश प्रताप सह प्रचार प्रमुख प्रयाग उत्तर सुभेन्दु, विभूति, सुधीर, वरुण प्रताप,छविपाल. जयराम , भाग कार्यवाहिका रीना मिश्रा अर्चना सिंह शिखा दीक्षित स्वेता श्रीवास्तव आदि सैकड़ों की संख्या मे स्वयंसेवक और राष्ट्रीय स्वयंसेविका समिति तथा समाज के लोगों ने प्रतिभाग किया।

एलडीए में प्लॉट रजिस्ट्री के नाम पर फर्जीवाड़ा, 6 महीने से चक्कर लगा रहे पीड़ित

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण में प्लॉट रजिस्ट्री के नाम पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित 6 महीने से LDA अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक पीड़ित को ट्रांसपोर्ट नगर से लेकर LDA के गोमती नगर कार्यालय तक चक्कर लगा रहे हैं। इसके साथ ही अयोध्या रोड स्थित पार्श्वनाथ सिटी सोसायटी के अंदर से दूसरी सोसायटी के लिए रास्ता देने का ले आउट भी LDA ने पास कर दिया। जिसके बाद नाराज लोग मंडलायुक्त से शिकायत करने पहुंचे। इस दौरान लोगों ने बताया कि उनके सोसायटी की दीवार तोड़ी जा रही, जिस पर एक अधिकारी ने कहा कि अब काम बंद है। लोगों ने कहा कि काम कभी नहीं बंद हुआ है। यह मामले मंडलायुक्त डॉक्टर रोशन जैकब की तरफ से की गई जनसुनवाई में सामने आए हैं। एलडीए की तरफ से बबलू अली निवासी रनमऊ धौरहरा, लखनऊ के नाम पर प्लॉट का आवंटन 27–9–2007 को डी 19 ट्रांसपोर्ट नगर में किया गया। 18 सालों से बबलू का कब्जा भी प्लॉट पर था, लेकिन कुछ महीने पहले दूसरे पक्ष ने आकर जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। इस दौरान तार की बाउंड्री भी करा की। बबलू का कहना है कि मेरे नाम बबलू अली के नाम पर प्लॉट एलॉट हुआ। इसमें किसी दूसरे व्यक्ति ने बबलू अली बनकर एलडीए से लीज डील करवा ली। इसके बाद प्लॉट की रजिस्ट्री किसी तीसरे व्यक्ति को कर दी है। इसमें कुछ लोगों ने जबरन पहुंचकर कब्जे का प्रयास किया तो पता चला कि इस पर इस्लाम नाम का व्यक्ति दावा कर रहा है। वहीं बबलू कहते हैं कि पुलिस से शिकायत की तो बोला गया स्व। जाइए। मंडलायुक्त से शिकायत की है। 6 महीने से दौड़ रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई। शांतनु मालवीय ने बताया कि अयोध्या रोड पर स्थित पार्श्वनाथ सोसायटी में रहते हैं। उन्होंने कहा हमारी सोसायटी से एक बिल्डर नक्शा पास कराकर रास्ता लेना चाहता है। एलडीए अधिकारियों ने यह पास भी कर दिया है। इसके चलते 500 से अधिक परिवार परेशान है। गेटेड सोसायटी से कैसे कोई रास्ता ले सकता है। आज फिर हम सुनवाई के लिए आए हैं। रास्ता इसलिए लेना चाहता है कि उसकी प्रॉपर्टी को रस्ता मिल जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम लोग रास्ता जाम करेंगे। कुंवर श्रीवास्तव पार्श्वनाथ रॉयल फ्लोर सिटी सोसायटी में रहते हैं। उन्होंने कहा कि 2007 में सोसायटी का नक्शा पास हुआ है। इसे देखकर फ्लैट लिया। बिल्डर भाग गया है। फ्लैट कंप्लीट नहीं है। 2015 से अधूरे फ्लैट में रहना शुरू किया। 2 करोड़ 92 लाख रुपए की पेनाल्टी रेरा ने उस पर लगाई गई है अभी एक बिल्डर हैं, बगल की एक स्प्रिंग सोसायटी के लिए स्व। अधिकारियों ने हमारी गेटेड सोसायटी से नक्शा पास कर दिया है। हम 2022 से इसका विरोध कर रहे हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। स्व। के अधिकारी केवल घुमा रहे हैं। पिछली बार शिकायत पर मैडम ने फटकार भी लगाई, मैडम ईमानदार अधिकारी के आदेश को एलडीए में दबा दिया जाता है ताकि स्व। की पोल न खुले।

स्क्वाड्रन लीडर ने अधिकारी पत्नी पर लखनऊ में कराया केस

बोला पत्नी के शौक महंगे, साथी से अवैध संबंध, पत्नी बोली- पति साइको

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर ने अपनी अधिकारी पत्नी पर फर्जी मुकदमे कराकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है, शादी के बाद पत्नी के महंगे शौक पर सवाल किया तो उल्टे उसने पुलिस में शिकायत कर दी। वहीं, पत्नी ने कहा कि पति के सारे आरोप मनगढ़ंत हैं। वह साइको हैं। कोई भी आरोप लगाएं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। पत्नी उत्तर प्रदेश सहकारी भूमि विकास बैंक में सहायक लेखाकार के पद पर तैनात है। स्क्वाड्रन लीडर ने लखनऊ के पुलिस कमिश्नर समेत कई सीनियर अधिकारियों से पत्नी के खिलाफ शिकायत दी है। गोमती नगर एसीपी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। स्क्वॉड्रन लीडर अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया 2016 में मेरी पोस्टिंग असम के तिनसुकिया में थी। मैं आगरा का रहने वाला हूं, इसलिए लखनऊ पोस्टिंग चाहता था। विभाग में ट्रांसफर के लिए एप्लिकेशन दी, तो बताया गया कि अगर लखनऊ में शादी करोगे तो ट्रांसफर आसानी से हो जाएगा। इसके बाद घर वालों ने मेट्रोमोनियल साइट से रिश्ता तलाशा। लखनऊ में रहने वाली ज्योति (बदला हुआ नाम) की मां से मुलाकात हुई। मां उस समय भाजपा महिला मोर्चा में पदाधिकारी थीं। ज्योति भी नौकरी कर रही थी। मेरे परिवार वालों को रिश्ता अच्छा लगा और शादी की बात आगे बढ़ गई। अभिषेक ने बताया 26 फरवरी 2016 को कोर्ट मैरिज हुई। फिर मैं तिनसुकिया चला गया। इसके बाद मेरा ट्रांसफर लखनऊ हो गया। 25 नवंबर 2016 को लखनऊ में ज्योति से रीति–रिवाज से शादी की। आगरा में रिसेप्शन किया। कुछ दिन आगरा में रहने के बाद हम लखनऊ लौट आए। लखनऊ में सरकारी मकान नहीं मिला तो कुछ दिन ज्योति के घर पर रहा। इसके बाद मुझे सरकारी मकान अलॉट हो गया। ज्योति के साथ वहां शिफ्ट हो गया। इस बीच, ज्योति अधिकतर अपनी मां के ही घर पर रहती थी। वह महंगे शौक रखती थी। कुछ दिन तक ज्योति मेरे पास नहीं आई तो मैं उसकी मां के घर गया। वहां कमरे पर ताला लगा था। मैंने ज्योति की मां को फोन किया तो उन्होंने कहा कि घर पर हैं। मैंने बताया कि घर के बाहर खड़ा हूं। इस पर ज्योति की मां नाराज हो

पत्नी अंकिता सिंह | अभिषेक प्रताप सिंह

गईं और शक करने की बात करने लगीं। मैंने उन्हें समझाया और अपने घर लौट गया। मैंने कई बार ज्योति को फोन किया, लेकिन उसने सही से बात नहीं की। स्क्वॉड्रन लीडर ने कहा ज्योति के महंगे शौक के बारे में पूछा तो वह टालमटोल करने लगी। उसके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अकाउंट में पैसों का काफी लेन–देन होता था। पूछने पर गुमराह करती थी। कहती थी, मौसी की बेटी की शादी होनी है। उसका मंगेतर पैसे ट्रांसफर कर रहा है।जब मैंने छानबीन की, तो मालूम चला कि ज्योति के साथ काम करने वाला उसके और मां के बैंक खातों में बड़ी धनराशि भेजता है। 13 फरवरी, 2018 को कई बार में 86 हजार से ज्यादा रुपए भेजे। यह लेन–देन तब होता था, जब मैं ज्योति के साथ नहीं रहता था। इसके बाद मैंने 1 मई, 2018 को पंजाब ट्रांसफर ले लिया। इस बीच ज्योति ने 2–3 बार अबॉर्शन भी कराया। पंजाब जाने ही वाला था तभी 30 अप्रैल 2018 को रात में मेरे पास गोमती नगर थाने से फोन करके बताया गया कि एफआईआर हुई है। ज्योति ने मेरे भाई, मां–पिता के खिलाफ भी घरेलू उत्पीड़न का केस कर दिया था।इसके बाद उसकी मां ने एक झूठा एफिडेविट लगा दिया। उसमें लिखा था मैंने माफी मांगी है। जबकि मैंने ऐसे किसी भी एफिडेविट पर कोई हस्ताक्षर नहीं किया। मैंने आरटीआई भी डाली थी। लेकिन कोई जवाब नहीं आया। अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया, पंजाब से गुवाहाटी चला गया। रिश्ता तोड़ना नहीं चाहता था। ज्योति से बात की और उसकी नानी, मां को गुवाहाटी बुलाया। सभी को घुमाया। प्यार से रहने की बात कही। ज्योति के साथ सिंगापुर जाने का प्लान बनाया। पासपोर्ट और वीजा पर 3 लाख रुपए खर्च किए, लेकिन 15 नवंबर 2018 को ज्योति ने गुवाहाटी में भी दहेज प्रताड़ना और मारपीट एक और मुकदमा दर्ज करवा दिया।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (क0श्रे0) शर्की द्वारा निकली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 597 सन 2024

गणेश शर्मा उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र स्व.मोहन लाल शर्मा निवासी ग्राम बलापुर दांदूपुर तहसील करछना जनपद प्रयागराज

बनाम

1. **रूपा देवी** उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्री स्व.मोहन लाल शर्मा पत्नी दिनेश कुमार निवासी ग्राम पहाड़पुर सुधवर ब्लॉक चायल जनपद कौशांबी। 2. **अनीता शर्मा** पुत्री स्व.मोहन लाल शर्मा निवासी ग्राम बलापुर दांदूपुर तहसील करछना जनपद प्रयागराज

अपने... को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन 372 उत्तराधिकार अधिनियम का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए ।**

चूंकि... ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2025 के 1 का 9 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (क0श्रे0) शर्की इलाहाबाद** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक मे अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि- 09/01/2025

आज्ञा से
न्यायाधीश

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12220242025 दिनांक : 09.12.2024

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएं निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 03.01.2025 को 13.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं. 1 | निविदा नं.: 251 | जेम बिड नं.: GEM/2024/B/ 5651626 Dated 09.12.2024

कार्य का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर / उत्तर मध्य रेलवे / मिर्जापुर और चुनार के अधीन दो वर्षों के लिए मिर्जापुर और चुनार में अधिकारी विश्राम गृहों का रखरखाव एवं हाउसकीपिंग कार्य का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 31,52,388 | बयाने की रकम ₹ : ₹ 63,050

क्र.सं. 2 | निविदा नं.: 252 | जेम बिड नं.: GEM/2024/B/ 5661045 Dated 09.12.2024

कार्य का विवरण: सहायक मण्डल इंजीनियर / उत्तर मध्य रेलवे / चुनार के लिये 01 नग नॉन वातानुकूलित वाहन (टवेरा, अर्टिगा, जाइलो, टाटा सफारी, स्कॉर्पियो या इनोवा) जो 01 अप्रैल 2021 के बाद पंजीकृत पूर्णतः अच्छी स्थिति में चालक और ईंधन के साथ 2000 किलोमीटर प्रतिमाह तक उपयोग के लिए किराये में 24 घंटे 24 माह के सभी किराये पर उपलब्ध कराने हेतु।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 9,24,000/- | बयाने की रकम ₹ : ₹ 18,480/-

सभी कार्य समापन की अवधि : 02 साल | सभी निविदा खुलने की तिथि : 03.01.2025

सभी सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम योग्यता आधार: निल

नोट: 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है।

2107/24(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

संक्षिप्त

कांग्रेस 18 को विधानसभा का घेराव करेगी : अजय राय

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा का 18 दिसंबर को घेराव करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पूरे प्रदेश के अंदर तबाही और हाहाकार मचा हुआ है। कहीं पर फर्जी दंगे हो रहे हैं तो कहीं पर एनकाउंटर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सारा काम गुजरात के ठेकेदारों को दिया जा रहा है। जो काम पहले लोकल ठेकेदारों को दिया जाता था, वह अब गुजरात के लोगों को दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में गुजरात की कंपनियों में पूरा एकाधिकार कर रखा है। अजय राय का दावा है कि 18 तारीख को होने वाले घेराव में बलिया से लेकर नोएडा तक के लोग आएंगे। यूपी के इतिहास में ऐतिहासिक घेराव होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक सदन के अंदर और एक–एक कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सड़क पर आंदोलन करेगा। कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को कांग्रेस दफ्तर में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान विधायक आराधना मिश्रा ने कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार आज हर विषय पर असफल हो चुकी है। चाहे वह किसान का मुद्दा हो। युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा हो। विधानसभा के अंदर इन सवालों का जवाब भाजपा नहीं दे रही है। वह किसी भी चीज का जवाब देने को तैयार नहीं है। इसलिए एक राजनीतिक दल के रूप में हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि सरकार की जवाबदेही उन विषयों पर ली जाए, जिस पर जनता ने उनका विश्वास कर जनता ने उनको विधानसभा में भेजा है।

महाराष्ट्र परभणी हिंसा पर मायावती बोलीं, सरकार आरोपियों पर जल्द करे सख्त कार्रवाई

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने महाराष्ट्र के परभणी में बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के पास रखी संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुँचाए जाने की निंदा की और इस घटना के कारण वहाँ उत्पन्न तनाव के बीच शांति की अपील की। मायावती ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, श्महाराष्ट्र राज्य के परभणी में भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा एवं संविधान का अपमान किया जाना अति–निन्दनीय व शर्मनाक है।

इस घटना से पार्टी काफी दुःखी व चिन्तित भी है। बसपा नेता ने कहा, वहाँ की राज्य सरकार, ऐसे जातिवादी व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध तुरन्त सख्त कानूनी कार्रवाई करे, वरना वहाँ हालात काफी बिगड़ सकते हैं। सभी से शान्ति–व्यवस्था बनाये रखने की अपील है। मंगलवार को महाराष्ट्र के परभणी रेलवे स्टेशन के बाहर स्थापित बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के पास रखी संविधान की प्रतिकृति को एक अज्ञात व्यक्ति ने क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिसके कारण वहां आगजनी और पथराव हुआ था। स्थानीय पुलिस के अनुसार, संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुँचाए जाने की खबर फैलने के बाद लगभग 200 लोगों की भीड़ प्रतिमा के पास एकत्र हो गई और नारे लगाने लगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत,तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान गई

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इंस्पेक्टर गोसाईगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार रात करीब 9.15 बजे थाना क्षेत्र के राजेश्वर ढाबा के पास एक्सीडेंट की सूचना मिली। एक व्यक्ति लखनऊ से बाराबंकी की तरफ मोटर साइकिल से जा रहा था, किसी अज्ञात वाहन ने व्यक्ति कि मोटर साइकिल मे टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंचने पर जांच की गई तो मृतक की जेब से आधार कार्ड मिला। मृतक की पहचान अरविंद (32) पुत्र राम सुरेश निवासी चिरैया बाग मजरा मिर्जापुर, नवाबगंज बाराबंकी के तौर पर हुई। मृतक के परिवार वालों को सूचना देने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवारजनों से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 24/81 दिनांक: 10.12.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	64245329	हाइड्रोलिक डी सी वाल्व	1382 नग	03.01.2025
2	30243046[illegible]	160 केबल हायर कैपेसिटी एयर स्प्रिंग	54 सेट	13.01.2025
3	38242870	पी यू लाइनिंग (टॉप एंड बॉटम) ऑफ कान्स्टेंट कान्टेक्ट पलीयूरेथेन साईड बीयरर पैड असेम्बली	26368 सेट	06.01.2025
4	20243698A	सर्ज अरेस्टर	78 नग	07.01.2025
5	50245501	48 ओ.एफ.सी	305.5 कि.मी.	08.01.2025

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **2108/24(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन 2020 अनुक्रमांक 1743800 एवं इन्टरमीडिएट मुख्य परीक्षा सन 2022 अनुक्रमांक 2226293292** का मूल प्रमाणपत्र एवं अंकपत्र वास्तव मे **खो गया है** ।

प्रिंशु सिंह, पुत्र सुधर लाल
निवासी कृष्णा बिहारी नगर फतेहपुर ।

बेदख़ली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **पुत्र अजहर अली** मेरे कहने सुनने में नहीं है उसकी आदते खराब है बात-बात पर अपमानित करके धमकी देता है। उसकी पत्नी भी उसी के साथ अलग रहती है। पुत्र के व्यवहार से समाज मे छवि खराब हो रही है। भविष्य में उसके किसी भी अच्छे व बुरे कार्यों से मेरा व परिवार के किसी सदस्यो का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। समस्त चल व अचल सम्पत्तियो से उसे **बेदखल कर रहा हूँ।**

अहमद अली पुत्र स्व0 रहमत अली
निवासी 852/बी दरियाबाद थाना अतरसुईया जिला प्रयागराज।

सम्पादकीय........

बुढ़ापे को बुलावा

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत–फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े–बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततरू शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों को ही बढ़ावा देता है। विडंबना यह कि मां–बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के किशोर व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं।

लोकतंत्र और न्यायपालिका दोनों खतरे में

डॉ. दीपक पाचपोर

बाबरी मस्जिद तोड़ना अपराध था, यह बात सुप्रीम कोर्ट के फैसले में आने के बावजूद अपराधी खुले घूम रहे हैं, सम्मानित हो रहे हैं, यह नए भारत का सच है। पांच जजों की पीठ में शामिल तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई अब राज्यसभा सांसद हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने रविवार आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान वे भाजपा के राजनैतिक एजेंडे और कट्टर हिंदुत्व की सोच को आगे बढ़ाते नजर आए। जस्टिस यादव का भाषण रविवार से ही सोशल मीडिया के जरिए सब ओर पहुंच चुका है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक इस भाषण को पहुंचने में शायद दो दिन लग गए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार दोपहर को एक बयान जारी कर कहा कि उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के उस भाषण का संज्ञान लिया है। जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बयान में कहा– 'इलाहाबाद हाईकोर्ट से और विवरण मंगाया गया है और मामला विचाराधीन है।' वहीं देश के वरिष्ठ वकील, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस, सपा, माकपा आदि दलों के कुछ नेताओं से चर्चा हुई है और वे जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने इस मामले में प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष का सहयोग मांगा है, साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम को देखना चाहिए कि ऐसे लोग जज न बनें। अदालतों में बैठे लोग हिंदुत्व की पैरोकारी कर रहे हैं, यह बात संविधान की मर्यादा, न्यायपालिका की गरिमा और लोकतंत्र के तकाजों के खिलाफ जरूर है, लेकिन संघ के निर्देशों पर नरेन्द्र मोदी के बनाए नए भारत में यह चलन बढ़ता जा रहा है। इसका सार्वजनिक इजहार तो तभी हो चुका था जब पांच जजों की पीठ ने बाबरी मस्जिद तोड़ कर खाली की गई जमीन को हिंदू पक्ष के हवाले कर दिया और फिर राम मंदिर बनाने की पूरी व्यवस्था भी कर दी। बाबरी मस्जिद तोड़ना अपराध था, यह बात सुप्रीम कोर्ट के फैसले में आने के बावजूद अपराधी खुले घूम रहे हैं, सम्मानित हो रहे हैं, यह नए भारत का सच है। पांच जजों की पीठ में शामिल तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई अब राज्यसभा सांसद हैं। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस साल मार्च में अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दे दिया और फिर दो महीने बाद ही वे भाजपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने उतर गए। फिलहाल न्यायपालिका की साख इतनी बची है कि आसंदी पर बैठे लोगों ने पद पर बने रहते हुए चुनाव लड़ना शुरू नहीं किया है। हालांकि मोदी सरकार चाहेगी तो संविधान में संशोधन कर इसे भी मुमकिन करा देगी। आखिर देश ने मुख्य न्यायाधीश रहे डी वाय चंद्रचूड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक साथ गणेश आरती करती तस्वीरें देश ने देखी ही हैं और इस पर सवाल उठे तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश को इसमें कुछ गलत भी नहीं लगा। बल्कि उन्होंने तो राम मंदिर पर दिए अपने फैसले के बारे में यह भी कहा है कि उन्होंने देवी प्रतिमा के सामने बैठकर इस पर मंथन किया। हाल के इन प्रसंगों के अलावा कई और ऐसे प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें न्यायाधीश मोर के आंसुओं और मोरनी के गर्भवती होने पर ज्ञान दे रहे हैं या घृणा भरे भाषण देने वालों के चेहरों के भाव पढ़ रहे हैं कि उन्होंने गुस्से से ऐसा कहा या मुस्कुराते हुए जहर उगला। ये तमाम उदाहरण यह समझने के लिए काफी हैं कि अब देश के तीसरे स्तंभ न्यायपालिका में भी ऑक्टोपस की तरह हिंदुत्व की भुजाएं दसों दिशाओं से बढ़ चुकी हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों से देश की उम्मीदें चुकती जा रही थीं, क्योंकि यहां से जो फैसले लिए जा रहे हैं, उनमें शक्तिसंपन्न, सवर्ण तबकों को ही तवज्जो मिलती है। जो गरीब हैं, वर्ण व्यवस्था में निचले क्रम पर हैं, या अल्पसंख्यक हैं, उनके हित के लिए खैरात की तरह कुछ योजनाएं चलाई जाती हैं, ताकि वे उसी में खुश रहें। अन्याय के इस माहौल में केवल अदालत से लोगों की उम्मीदें बंधी थीं कि यहां चाहे जितनी देर लगे लेकिन जाति, धर्म, धन, लिंग सबके भेद से परे उठकर इंसाफ हासिल होगा। लेकिन जस्टिस शेखर कुमार यादव के भाषण से उस उम्मीद पर एक गहरा प्रहार हुआ है। गौरतलब है कि विश्व हिन्दू परिषद के विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें जस्टिस शेखर यादव के अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक और मौजूदा जज जस्टिस दिनेश पाठक भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में श्वक्फ बोर्ड अधिनियमश, श्धर्मान्तरण–कारण एवं निवारणश और श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यताश जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिससे समझ आता है कि इस आयोजन का मकसद क्या था। जस्टिस शेखर यादव ने श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यताश विषय पर बोलते हुए कहा कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? जस्टिस यादव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि हमें किसी का कष्ट देखकर कष्ट होता है, लेकिन आपके यहां ऐसा नहीं होता है। उन्होंने लोकतंत्र को धता बताते हुए यह तक कह दिया कि हिन्दुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कधनून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए, समाज में भी देखिए। जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है। इसके अलावा सांप्रदायिक नफरत जाहिर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द कठमुल्ला का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस शेखर यादव ने ये भी कहा कि 'कठमुल्ले' देश के लिए घातक हैं।

संसद को अप्रासंगिक बनाने धनखड़ और बिरला में होड़

अपने प्रदीर्घ राजनीतिक जीवन के अलग–अलग कालखंडों में विधानसभा से लेकर संसद के दोनों सदनों में बैठ चुके राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह सोमवार को जब संसद परिसर में यह कहते हैं कि श्मैंने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में ऐसा पक्षपाती सभापति नहीं देखा जैसा कि आज आसीन हैश, तो इस पर गम्भीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। उसे केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिये कि वे विपक्ष में हैं तो ऐसा कहेंगे ही। उन्होंने यह बात शिष्टाचारवश राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को ही लेकर सीमित करके कही है क्योंकि वे उसी सदन के बारे में कह रहे थे, जिसके कि वे सदस्य हैं। वरना उनकी बात दोनों ही सदनों के बारे में एक सी लागू होती है– लोकसभा के बारे में भी जिसके अध्यक्ष ओम बिरला हैं। हालांकि अब यह कहना बड़ा मुश्किल है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कौन अधिक सक्रियता और शिद्दत से संसद को अप्रासंगिक बनाने पर तुला है– ओम बिरला या जगदीप धनखड़। वैसे तो बिरला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा से आते हैं इसलिये उनके लिये ऐसी संवैधानिक संस्थाओं का कोई महत्व नहीं हैय और भारतीय जनता पार्टी शासन में ऐसे ही लोगों को ये पद अधिक आसानी से मिलते हैं जो उस आसन को अधिकतम गंदला कर सकें। मटियामेट कर दें। इसलिये अपनी कार्रवाई के दौरान बिरला अक्सर सदस्यों से श्वैठ जाओश, श्नो...नोश, श्यह नहीं चलेगाश श्आपकी बात रेकार्ड में नहीं जायेगी... जैसे शब्दों में डांट–डपट करते रहते हैं। आगे–पीछे राष्ट्रपति का चुनाव होना है। साफ है कि उस पद की ओर दोनों तेजी से बढ़ना चाहते हैं। धनखड़ की संघ की पार्श्वभूमि नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के सफल वकील होने के साथ जनता दल व कांग्रेस में लम्बा समय काटकर आये हैं। उन्हें संविधान का महत्व मालूम होना चाहिये परन्तु व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की इस होड़ के चलते वे भी लोकतंत्र और जनहित को भंगार कर रहे हैं। इसके कारण पिछले कई सत्रों की भांति ही संसद के मौजूदा सत्र में अब तक कुछ ही घंटे काम हो पाया है। संसद में काम न होने का फायदा हमेशा सत्तारुढ़ दल को होता है। बिरला व धनखड़ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को दिलो–जान से लाभान्वित कर रहे हैं। पिछली दोनों व वर्तमान लोकसभाओं और राज्यसभा में विपक्ष को कुचलने और उसकी आवाज को खत्म करने की सुनियोजित योजना के अंतर्गत दोनों ने अपने संवैधानिक पदों का भरपूर दुरुपयोग किया है। किसी भी मुद्दे पर जिस तरीके से ये दोनों सरकार का बचाव करते अथवा पैरवी करते नजर आते हैं, उससे अधिक शर्मनाक कुछ इसलिये नहीं हो सकता क्योंकि ये दोनों पद पार्टी हितों से बढ़कर जिम्मेदारियों के निर्वहन की अपेक्षा रखते हैं। पूरी संसदीय व्यवस्था इन दोनों पदों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से काम करने पर निर्भर है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ओम बिरला को जब यह पद मिला तो उससे साफ संदेश गया कि जो भी संसदीय परम्परा को जितना बिगाड़ सकता है वह उतना ही अधिक पुरस्कृत होगा। वरना जब भी मिली–जुली सरकार बनती है तो सत्ताधारी दल यह पद किसी सहयोगी पार्टी को प्रदान करता है। मोदी ने ऐसा नहीं किया। उसके पीछे यही कारण था कि वे इन दोनों के जरिये सम्पूर्ण राजनीतिक एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसमें वे काफी हद तक सफल होते भी दिख रहे हैं। विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि श्संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है, पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर–शराबा किया जाता है और जो राई भी नहीं है उसे पर्वत बनाकर सदन को ठप कर दिया जाता है। सरकार से सवाल पूछते ही सत्ताधारी दलों की ओर से विपक्ष पर हमले होते हैं। उस शोर–गुल में संख्या बल के आसरे दोनों सदनों के संचालकगण सरकार की ओर से रखे जाने वाले कानून पारित करा देते हैं जिनमें से ज्यादातर जनविरोधी रहे हैं। पिछले दशक भर से पता नहीं ऐसे कितने कानून भाजपा सरकार द्वारा पारित कराकर देश पर थोपे गये हैं जिन पर पहले चर्चा नहीं की गयी। लगता है कि संसद को इसी तरह से चलाने के निर्देश सम्भवतरू मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मिले हुए हैं। इस टास्क को कौन भली–भांति पूरा करता है– इसी के हिसाब से तय होगा कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा। इस टास्क के साथ यह भी संदेश छिपा हुआ है कि संसद को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना दिया जाये ताकि लोगों का लोकतंत्र से ही मोहभंग हो जाये और भाजपा तथा उसकी मातृ संस्था आरएसएस की मंशा के अनुरूप देश में मनुवादी व्यवस्था स्थापित की जा सके जिसके तहत शासन प्रणाली में लोगों की भागीदारी न हो। बिरला–धनखड़ की जोड़ी एक तरह से अपने–अपने सदनों को अप्रभावी कर मोदी–शाह के इसी मंसूबे को पूरा कर रही है। देश के गिने–चुने कारोबारियों के पक्ष में काम करने वाली सरकार के लिये ऐसे ही सदन मुफीद होते हैं। देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्हें बोलने के लिये कोई और मंच चाहिये। मोदी प्रेस कांफ्रेंस करते नहीं और सरकार समर्थक मीडिया विपक्ष की बात को नहीं छापता या दिखाता। छापता–दिखाता भी है तो तोड़–मरोड़कर या उतने हिस्से को ही जिससे सत्ता पक्ष को फायदा हो। ऐसे में यदि राज्यसभा सदस्य कल्याण बैनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) धनखड़ की मिमिक्री करते हैं और उसका राहुल गांधी वीडियो बनाते हैं तो वह स्वाभाविक हैय अथवा राहुल बतलाते हैं कि दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला उनसे (राहुल से) तो तनकर मिलते हैं परन्तु मोदी से झुककर हाथ मिलाते हैं। इस सबके बावजूद यदि प्रतिपक्ष का मुंह बंद रखने पर बिरला–धनखड़ आमादा हैं तो विरोधी दलों के पास इसके अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता कि वे मोदी व गौतम अदानी के मास्क पहनकर संसद परिसर में दोनों की दोस्ती को प्रतीकात्मक तरीके से अभिनीत करें। यह प्रहसन बतलाता है कि संसद ऐसी अप्रासंगिक हो गयी है कि अपनी बात कहने या उन पर होते अन्याय को दर्शाने के लिये निर्वाचित सांसदों को मिमिक्री का सहारा लेना पड़ रहा है। पार्टी के प्रति निष्ठा कहें या मोदी–शाह का डरय अथवा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा– इन्हें देश व जनता के हितों से भी ऊपर रख दिया गया है। इसी के चलते एक ओर तो ओम बिरला थोक के भाव में विरोधी सदस्यों को निलम्बित करते हैं, तो वहीं धनखड़ राज्यसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा पर नियम 267 के तहत नोटिस खारिज होने के बावजूद चर्चा के लिये सत्तारुढ़ दलों के सदस्यों को बोलने से रोकते हैंय लेकिन विपक्षी पार्टियों के सदस्यों का बोलना नामंजूर कर देते हैं। यही कारण है कि प्रेस के समक्ष दिग्विजय सिंह को कहना पड़ता है कि इतना पक्षपाती सभापति उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी भी नहीं देखा।

सीरियाई राष्ट्रपति बशर–अल–असद सत्ता से बेदखल, रूस और ईरान को बड़ा नुकसान

नित्य चक्रवर्ती

पहले से ही युद्ध से तबाह पश्चिम एशियाई क्षेत्र अब सीरियाई राष्ट्रपति बशर–अल–असद सरकार के सत्ता से बेदखल होने से भू–राजनीतिक उथल–पुथल के एक नये दौर में प्रवेश कर गया है। राष्ट्रपति रविवार को दमिश्क से भागकर मास्को चले गये हैं और उन्हें रूसी सरकार ने वहां शरण दे दी है। वर्ष 2000 से लेकर पच्चीस वर्षों तक रूसी सहायता से मजबूती से शासन करने वाले सीरियाई बाथ पार्टी के नेता की हार राष्ट्रपति पुतिन के लिए एक बड़ी व्यक्तिगत हार है और पश्चिम एशिया में उनकी कूटनीति के लिए एक बड़ा झटका। वास्तव में, सत्तारूढ़ शासन को सहारा देने के लिए अरबों डॉलर खर्च करने के बाद यह एशिया से रूस की दूसरी बड़ी वापसी है। पहली घटना 1990 के दशक में हुई थी जब रूस ने अफगानिस्तान से हटने का फैसला किया था और डॉ. नजबुल्लाह सरकार को अफगान तालिबान के आगे बढ़ने के कारण मुश्किल में डाल दिया था। डॉ. नजबुल्लाह को फांसी पर लटका दिया गया था। इस तरह से असद भाग्यशाली रहे। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को कुछ दिन पहले ही मास्को भेज दिया था और अब मास्को भागकर अपनी जान बचाई। 8 दिसंबर रविवार को दमिश्क में जो हुआ, वह बांग्लादेश में 5 अगस्त को ढाका में हुए घटनाक्रम से कुछ हद तक मिलता–जुलता है, जब प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस डर से भारत भागना पड़ा था कि प्रदर्शनकारियों द्वारा उनकी हत्या कर दी जायेगी, जो उनके आधिकारिक आवास पर हमला करने जा रहे थे। उन्हें खुद उनके सेना प्रमुख ने जाने के लिए कहा था। उन्हें बांग्लादेश वायु सेना के विमान में जल्दबाजी में जाना पड़ा। अपदस्थ राष्ट्रपति असद ने जाने से पहले रक्तपात को रोकने के लिए शांतिपूर्ण संक्रमण का आह्वान किया। उनके प्रधानमंत्री ने वास्तव में विद्रोहियों का स्वागत किया और असद विरोधी नेताओं से शांतिपूर्ण तरीके से नयी सरकार बनाने का आह्वान किया। असद विरोधी विद्रोही कौन हैं और नये सीरिया के लिए उनका कार्यक्रम क्या है? यह एक बहुत ही जटिल प्रश्न है क्योंकि सरकार विरोधी गठबंधन इस्लामवादियों, क्षेत्रीय जनजातीय प्रमुखों के एक वर्ग और यहां तक कि कुछ तथाकथित समाजवादियों का एक मिश्रित संयोजन है। इसका मुख्य घटक हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) है जिसे तुर्की का समर्थन प्राप्त है और इस मुख्य समूह को सीरियाई राष्ट्रीय सेना कहा जाता है। एचटीएस को मूलरूप से 2013 में सीआईए के माध्यम से अमेरिकी प्रशासन द्वारा रूस समर्थित असद शासन को कमजोर करने की अमेरिकी रणनीति के रूप में वित्तपोषित किया गया था, ठीक उसी तरह जैसे अफगान युद्ध की शुरुआती अवधि में तालिबान को अमेरिकी सहायता दी गयी थी। लेकिन बाद के वर्षों में, अमेरिका ने अपनी प्रत्यक्ष सहायता वापस ले ली, हालांकि अन्य तरीकों से, अमेरिकी एजेंसियों ने विद्रोहियों की मदद की। अमेरिका आधिकारिक तौर पर विद्रोहियों की मदद नहीं कर सका क्योंकि उन पर अल–कायदा से जुड़े इस्लामवादी होने का संदेह था। फिर तुर्की केंद्र में आया और उसने असद विरोधी गठबंधन की मदद करना शुरू कर दिया। तुर्की की सीरियाई क्षेत्रों में सीमावर्ती क्षेत्रों में रुचि है। वर्तमान में, इसके सीमावर्ती क्षेत्र में लगभग 2.9 मिलियन सीरियाई शरणार्थी हैं। विद्रोही सरकार के आकार लेने की स्थिति में तुर्की उन्हें उनके वतन वापस भेजने में बहुत रुचि रखता है। एचटीएस विद्रोही पश्चिम एशियाई युद्ध में हर हितधारक को भ्रमित कर रहे हैं। नेताओं का कहना है कि अब उनका अल–कायदा से कोई संबंध नहीं है, लेकिन वे कट्टर इस्लामवादी हैं। राष्ट्रपति चुने गये डोनाल्ड ट्रंप, जो अब अमेरिकी विदेश नीति को निर्देशित कर रहे हैं, ने पेरिस में कहा कि अमेरिका को सीरियाई युद्ध में कोई दिलचस्पी नहीं है। वास्तव में वह सच नहीं बोल रहे थे। अमेरिका के हित निश्चित रूप से हैं, लेकिन अमेरिका पहले सीरियाई सरकार के एक वर्ग के साथ अपने संबंध स्थापित करना चाहेगा और फिर अपने फैसले पर आगे बढ़ेगा। अभी, शीर्ष पर बैठे इस्लामवादी अमेरिका और इजरायल दोनों के बहुत खिलाफ हैं। अमेरिकी एजेंसियां पीछे से काम कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे नये प्रशासन में कुछ ऐसे लोगों को ढूंढें जो उनके दबाव में कमजोर पड़ सकें जहां तक इजरायल का सवाल है, असद का पतन उनके लिए बहुत सकारात्मक घटनाक्रम है। पहले ही, इजरायल ने हिजबुल्लाह को बेअसर कर दिया है और लेबनान युद्धविराम घटते आतंकवादियों को वापसी करने में मदद नहीं करने वाला है। इस क्षेत्र में इजरायल का मुख्य मजबूत दुश्मन ईरान है। ईरान को झटका लगा है क्योंकि ईरानी सरकार ने राष्ट्रपति असद को बचाने में भारी मात्रा में धन लगाया है। ईरान का कमजोर होना इजरायल के लिए फायदेमंद है। अगर 20 जनवरी को ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद हमास के साथ पूर्ण युद्धविराम का मुद्दा उठाया जाता है, तो इजराइल और खास तौर पर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ट्रंप के मुकाबले बेहतर सौदेबाजी की स्थिति में होंगे। फिलहाल, एचटीएस नेता अबू मोहम्मद अल–जुलानी एक मान्यता प्राप्त आतंकवादी है और एचटीएस पर अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने भी प्रतिबंध लगा रखा है। जुलानी अंतरराष्ट्रीय मीडिया को इंटरव्यू देकर सुर्खियां बटोरना चाहता है। जब तक उस पर से आतंकवादी का टैग नहीं हटाया जाता, तब तक अमेरिका उसके साथ आधिकारिक तौर पर बातचीत नहीं कर सकता। सीरिया में 900 अमेरिकी सैनिक हैं। रूस के पास सीरियाई जलक्षेत्र में नौसैनिक अड्डे और कर्मी हैं। अमेरिका देखेगा कि रूस उन्हें वापस लेता है या नहीं। स्थिति इतनी अस्थिर है कि महाशक्तियां अभी कोई अंतिम फैसला नहीं ले सकतीं। वे कुछ दिनों तक इंतजार करेंगे और देखेंगे कि नयी सीरियाई सरकार की प्रकृति क्या होगी। लेकिन फिलहाल, तुर्की स्पष्ट विजेता है। तुर्की अपनी विदेश नीति को संतुलित करने के लिए चीन के अलावा अमेरिका और रूस दोनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। तुर्की ने नाटो का सदस्य होने के बावजूद ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि दिखाई है। प्रधानमंत्री एर्डोगन के लिए, कूटनीतिक पहुंच के लिहाज से स्थिति काफी सकारात्मक है। तुर्की को पश्चिम एशिया में सहयोगी बनाने के लिए अमेरिका और रूस दोनों ही लुभायेंगे। साथ ही, अगर सीरिया में क्षेत्रीय संघर्ष जारी रहता है, तो तुर्की के पास सीरियाई सीमा से सटे इलाकों में अपनी भौगोलिक सीमा का विस्तार करने की अच्छी संभावना है। तुर्की के नाटो सदस्यों में एचटीएस नेताओं के साथ बेहतर संबंध हैं। इसलिए उम्मीद है कि अगर मौजूदा शासक स्थिर होते हैं, तो अमेरिका तुर्की को और अधिक लुभाने के लिए संबंध स्थापित करेगा। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या सीरिया को अब स्थिर सरकार मिलेगी या गठबंधन के विभिन्न समूह सत्ता के लाभ के लिए लड़ाई शुरू कर देंगे। जहां तक भारत का सवाल है, हमारी सरकार ने अपदस्थ राष्ट्रपति असद के साथ हमेशा मैत्रीपूर्ण संबंध बनाये रखे हैं। सीरिया में बड़ी संख्या में भारतीय हैं, खासकर दमिश्क में। भारतीय विदेश मंत्रालय ने विपक्षी गठबंधन बलों को सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण और दमिश्क में सरकार के शीघ्र गठन का आह्वान किया है। राष्ट्रपति असद के अधीन सीरिया के साथ रणनीतिक संबंध रखने वाले चीन ने भी सीरिया में शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण का आह्वान किया है। चीन ने सीरिया में बड़े पैमाने पर निवेश किया है।

कपूर खानदान ने की पीएम मोदी से मुलाकात, करीना ने टिम और जेह के लिए लिया ऑटोग्राफ

> करीना कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर पीएम के साथ मुलाकात करने पहुंची कपूर फैमिली की तस्वीर साझा कर कैप्शन में लिखा, "हम अपने दादा और ग्रेट अभिनेता राज कपूर के असाधारण जीवन और विरासत के जश्न को मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस खास दोपहर के लिए मोदी जी का धन्यवाद।

भारतीय सिनेमा जगत के 'ग्रेट शो मैन' राज कपूर की 100वीं जयंती का जश्न जबरदस्त होगा। कपूर फैमिली पूरी आन बान शान से उत्सव की तैयारी में जुटी है। परिवार ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी न्योता दिया है। खुशी का इजहार पूरे परिवार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किया है। करीना कपूर ने तो तस्वीरों की श्रृंखला के साथ वो क्लिप भी शेयर किया जिसमें पीएम मोदी उनके बच्चों टिम और जेह को ऑटोग्राफ दे रहे हैं। करीना कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर पीएम के साथ मुलाकात करने पहुंची कपूर फैमिली की तस्वीर साझा कर कैप्शन में लिखा, "हम अपने दादा और ग्रेट अभिनेता राज कपूर के असाधारण जीवन और विरासत के जश्न को मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इस खास दोपहर के लिए मोदी जी का धन्यवाद। इस मील के पत्थर को मनाने में आपकी गर्मजोशी, अटेंशन और समर्थन हमारे लिए बहुत मायने रखता है। जैसा कि हम दादाजी की कलात्मकता और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के शानदार 100 वर्षों का जश्न मनाने जा रहे हैं। हम उनकी विरासत का सम्मान करते हैं, जो हमें और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। हमें उनकी शानदार फिल्मों और 'राज कपूर 100 फिल्म फेस्टिवल' के साथ भारतीय सिनेमा पर उनके प्रभाव पर गर्व है। इसके साथ अभिनेत्री ने 13–15 दिसंबर, 2024 , 10 फिल्में , 40 शहर, 135 सिनेमाघर के साथ 'राज कपूर के 100 साल लिखा।करीना ने इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी के साथ पोज देते हुए कपूर परिवार की तस्वीर साझा की। पीएम मोदी के साथ साझा की गई तस्वीर में करीना के साथ करिश्मा कपूर, नीतू सिंह, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, रिद्धिमा कपूर, सैफ अली खान के साथ अन्य सदस्य नजर आए। एक अन्य तस्वीर में करीना कपूर और करिश्मा कपूर पीएम से ऑटोग्राफ लेती नजर आईं। अन्य तस्वीरों में पीएम मोदी, सैफ अली, रणबीर, नीतू, आलिया और करीना से बात करते दिखाई दे दिए। दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर और करिश्मा कपूर ने भी पीएम मोदी के साथ तस्वीर पोस्ट की। राज कपूर की 100वीं जयंती के मौके पर उनकी सफल और शानदार फिल्में दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों में आग (1948), बरसात (1949), आवारा (1951), श्री 420 (1955), जागते रहो (1956), जिस देश में गंगा बहती हैश (1960), संगम (1964), मेरा नाम जोकर (1970), बॉबी (1973) राम तेरी गंगा मैली (1985) शामिल हैं। इन फिल्मों को 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक भारत के 40 शहरों और 135 सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। सिनेमाघरों में मूवी टिकट की कीमत 100 रुपये होगी।

शिव भक्त हैं परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा, भगवान शिव को बताया 'आध्यात्मिक प्रेरणा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के पति और आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने बताया कि वह बहुत धार्मिक व्यक्ति हैं। एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में उन्होंने अपने निजी और राजनीतिक जीवन से जुड़ी कई पहलुओं पर बात की। आप सांसद ने साक्षात्कार में बताया कि वह भगवान शिव के भक्त हैं और उन्हें ही आध्यात्मिक प्रेरणा मानते हैं। उन्होंने बताया कि वह घर में शिव भक्ति का माहौल देखकर बड़े हुए हैं और पिता सुनील चड्ढा से प्रभावित हैं, उनके जो पिछले 40 साल से सुबह घर से निकलने से पहले शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। एक्टर भी अपने पिता से प्रेरणा लेते हैं और सबसे पहले शिवलिंग पर जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करते हैं। राघव ने बताया उनके साथ उनकी पत्नी परिणीति चोपड़ा भी बहुत धार्मिक हैं और भगवान में उनकी गहरी आस्था है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अपने आध्यात्मिक पक्ष के बारे में ज्यादा बात करना पसंद नहीं करते और इसे व्यक्तिगत रखने और सार्वजनिक नहीं करने की कोशिश करते हैं। पिछले महीने उन्होंने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर जाकर अपना जन्मदिन मनाया और गंगा आरती में भी भाग लिया था। परिणीति और राघव ने पिछले साल 24 सितंबर को राजस्थान के उदयपुर के द लीला पैलेस में शादी की थी। शादी समारोह में राजनीतिक जगत के साथ ही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सदस्य भी शामिल हुए थे। परिणीति के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ बायोपिक 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आई थीं। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। परिणीति ने हाल ही में अपने नए शुरू किए व्लॉग (वीडियो ब्लॉग) के बारे में भी फैंस को जानकारी दी थी।

बागी 4 में सोनम बाजवा की एंट्री, टाइगर श्रॉफ के साथ आएंगी नजर

पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा को अक्षय कुमार स्टारर 'हाउसफुल 5' के बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला की एक्शन से भरपूर फ्रेंचाइजी 'बागी 4' के लिए साइन किया गया है। पर्दे पर अभिनेत्री, टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। बागी 4 के अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म में सोनम की एंट्री को लेकर जानकारी दी। टाइगर ने कैप्शन में लिखा, रिबेल फैमिली के नए सदस्य का स्वागत! बागी यूनिवर्स, साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में सोनम बाजवा को पाकर रोमांचित हूं। फिल्म मेकर नाडियाडवाला ग्रैंडसन ने सोशल मीडिया पर अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर सोनम की एंट्री की घोषणा की और लिखा, साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल यूनिवर्स की हंसी से एक्शन पैक्ड बागी 4 तक, आखिर अब शो में महफिल लूटने के लिए सोनम बाजवा आ गई हैं। फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। 'बागी 4' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और सोनम के जल्द ही सेट पर शामिल होने की उम्मीद है। टाइगर श्रॉफ ने 18 नवंबर को 'बागी' फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त की घोषणा की थी, जिसका निर्देशन ए हर्षा करेंगे। टाइगर ने पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा था,"एक गहरी भावना, एक खूनी मिशन। इस बार वैसा नहीं है! साजिद नाडियाडवाला की बागी 4 ए हर्षा के निर्देशन में तैयार हो रही है।" ए हर्षा कन्नड़ फिल्म 'बिरुगाली', 'चिंगारी', 'भजरंगी', 'अंजनी पुत्र' और 'वेधा' जैसी सफल फिल्में बना चुके हैं। बागी' एक्शन–थ्रिलर फिल्म है, जिसकी पहली किस्त साल 2016 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन सब्बीर खान ने किया था। 2004 में आई तेलुगू फिल्म 'वर्षम' का आंशिक रीमेक है, जिसका क्लाइमेक्स 2011 की इंडोनेशियाई फिल्म 'द रेडरू रिडेम्पशन' से प्रेरित है। फिल्म में टाइगर, श्रद्धा कपूर और सुधीर बाबू थे। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'बागी 2' साल 2018 में रिलीज हुई थी। यह तेलुगु फिल्म 'क्षणम' की रीमेक थी। दूसरी किस्त में टाइगर के साथ दिशा पटानी, मनोज बाजपेयी, दर्शन कुमार, प्रतीक बब्बर, रणदीप हुड्डा, दीपक डोबरियाल और अराव्य शर्मा थे। फिल्म की तीसरी किस्त का निर्देशन भी अहमद खान ने ही किया था, बागी 3 में टाइगर श्रॉफ, रितेश देशमुख और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे। टाइगर श्रॉफ बागी के साथ ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, बागी 2, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2, वॉर, बागी 3, हीरोपंती 2 और गणपथ जैसी सफल फिल्में कर चुके हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर को दी जन्मदिन की बधाई, बताया– 'बेस्ट बॉय'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के पति और अभिनेता जहीर इकबाल ने मंगलवार को अपना 36वां जन्मदिन मनाया। फैंस के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री की तमाम हस्तियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। 'डबल एक्सल' फेम सोनाक्षी ने भी सोशल मीडिया पर पति को जन्मदिन की बधाई दी। 'दबंग' फिल्म में 'प्यार से डर नहीं लगता साहब' डायलॉग बोलने वाली अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर प्यार भरी तस्वीरों की सीरीज के साथ कैप्शन में लिखा, "तुम्हारी मां के बाद, मैं सबसे ज्यादा खुश हूं कि तुम पैदा हुए। मैं और भी ज्यादा खुश हूं कि मैंने तुमसे शादी की। जन्मदिन मुबारक हो, बेस्ट बॉय – मैं तुमसे प्यार करती हूं।" इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में सोनाक्षी सिन्हा पति जहीर पर प्यार लुटाती नजर आईं। तस्वीरों में से कुछ उनके हालिया वेकेशन की भी हैं। इसी साल शादी के बंधन में बंधी सोनाक्षी सिन्हा के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही थ्रिलर शनिकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेसश में दिखाई देंगी। फिल्म में सोनाक्षी के साथ अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे सितारे अहम रोल में हैं। अपकमिंग फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश एस. सिन्हा कर रहे हैं। निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस का निर्माण निकी, विक्की भगनानी फिल्म्स क्रेटोस एंटरटेनमेंट के निकी, विक्की भगनानी और अंकुर टकरानी, निकिता पाई फिल्म्स की किंजल घोने और दिनेश गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।

द कश्मीर फाइल्स निर्देशक विवेक रंजन ने बताया क्या है घोस्ट लाइट

गंभीर मुद्दों पर फिल्म बनाने के लिए मशहूर इंडस्ट्री के सफल निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री सोशल मीडिया पर फैंस के साथ अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करते रहते हैं। निर्देशक ने लेटेस्ट पोस्ट में बताया कि घोस्ट लाइट किसे कहते हैं इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने लिखा, फिल्म के सेट पर जब थिएटर की तरह सभी लाइट्स बंद हो जाती हैं, तब भी कभी पूरा अंधेरा नहीं होता। यहां तक कि जब सेट पर कोई नहीं होता, तब भी एक छोटी सर्विस लाइट हमेशा जलती रहती है। इसे घोस्ट लाइट कहते हैं।'द दिल्ली फाइल्स' लाने की तैयारी में जुटे अग्निहोत्री ने 'घोस्ट लाइट' का अर्थ भी बताया। उन्होंने आगे लिखा, "कभी–कभी हमारे आस–पास की दुनिया खाली होती है। यह शो के लिए सही समय नहीं है। शायद अभी दर्शक नहीं हैं। लेकिन किसी कलाकार ने घोस्ट लाइट जलाकर छोड़ दी है। हालांकि, यह असली रोशनी नहीं है, लेकिन यह उम्मीद देती है कि हम वापस लौट आएंगे, हम लौट आएंगे। "ऐसी घोस्ट लाइट अस्थायी होती है। भले ही असली कलाकार अभी स्टूडियो में न हों, लेकिन उनकी आत्मा, उनकी प्रेरणा, उनकी रचनात्मकता जल्द ही वहां पर वापस आ जाएगी और इसके बाद फिर से पूरी रोशनी चालू हो जाएगी। एक बार फिर कोई कहेगा, लाइट्स, कैमरा, एक्शन और फिर से शो शुरू हो जाएगा। सोशल मीडिया पर खासा पकड़ रखने वाले अग्निहोत्री ने सर्दियों के बीच हाल ही में अपने एक पोस्ट के द्वारा बताया था कि एलर्जी क्या है और इसे कैसे दूर करते हैं। 'द दिल्ली फाइल्स' की शूटिंग में व्यस्त अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर बताया था, "दशकों से मैं सुबह होने वाली एलर्जी से परेशान था। इसमें छींक आना, नाक बहना और आंखों में खुजली होना शामिल है। डॉक्टरों ने बताया कि मुंबई में यह आम बात है। उन्होंने आगे कहा, "फिर, हिमालय में मेरी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने मुझे सिर्फ ठंडे पानी से नहाने की सलाह दी। मैंने इसे आजमाया और पिछले तीन सालों से मुझे छींक नहीं आई। मैं इसके पीछे की साइंस को नहीं जानता, लेकिन यह मेरे लिए काम कर गया। इस अनुभव ने मुझे कई विशेषज्ञों के साथ रिसर्च और बातचीत करने के लिए प्रेरित किया। मैंने पाया कि कई एलर्जी इसलिए होती हैं, क्योंकि हमने खुद को प्रकृति से अलग कर लिया है। हम जो खाते हैं, उससे जुड़ते नहीं। हम अपना खाना नहीं पकाते, धोते या काटते नहीं हैं और हम शायद ही कभी उसे ठीक से सूंघते या चबाते हैं। हमने भोजन को सही से खाना छोड़ दिया है। हम बेमौसम कोई भी सब्जी खाते हैं, यह भूल जाते हैं कि सब्जियां मौसमी होती हैं। उन्होंने कहा, हम पर्यावरण से जुड़ने के लिए कुछ नहीं करते। प्रकृति से हमारा अलगाव प्राकृतिक आपदा को आमंत्रित करता है। जब हम दुनिया के साथ अपना रिश्ता बदलते हैं, तो दुनिया भी हमारे साथ अपना रिश्ता बदल देती है।

हेयर और स्किन मास्क दोनों की तरह काम आ सकते हैं ये पैक

हम सभी खुद की केयर करना पसंद करते हैं। यह ना केवल हमें रिलेक्स फील करवाता है, बल्कि इससे हमें बाहर और भीतर दोनों तरह से अच्छा लगता है। अमूमन यह देखने में आता है कि अपनी स्किन और हेयर की केयर करने के लिए हम सभी कुछ होममेड मास्क का सहारा लेते हैं, जिन्हें नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से बनाया जाता है। हालांकि, स्किन और बालों की देखभाल के लिए अलग–अलग मास्क बनाना थोड़ा मैसी हो सकता है। तो ऐसे में जरूरी है कि आप कुछ ऐसे मास्क बनाएं, जिन्हें आप दोनों तरह से इस्तेमाल कर सकते हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही मास्क के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपनी स्किन और बालों दोनों पर आसानी से अप्लाई कर सकते हैं–

एलोवेरा और नारियल तेल मास्क

एलोवेरा ना केवल आपकी स्किन को आराम और नमी देता है, बल्कि स्कैल्प को भी सूदिंग अहसास करवाता है। वहीं, नारियल तेल को स्किन और हेयर दोनों की केयर के लिए अच्छा माना जाता है।

कैसे बनाएं–

दो बड़े चम्मच ताजा एलोवेरा जेल में एक बड़ा चम्मच नारियल तेल मिक्स करें।

अब आप इसे अपने चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।

इसे 20 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।

आप इसी मिश्रण को अपनी स्कैल्प और बालों की लंबाई में मालिश करें।

शैम्पू से धोने से पहले इसे 30 मिनट से एक घंटे के लिए छोड़ दें।

शहद और दही का मास्क

शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट है, जो नमी को लॉक करता है। वहीं, दही लैक्टिक एसिड के साथ स्किन को एक्सफोलिएट और पोषण देता है।

इसे कैसे बनाएं–

2 बड़े चम्मच सादा दही में 1 बड़ा चम्मच शहद मिक्स करें।

कैसे इस्तेमाल करें–

सबसे पहले आप इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें।

इसी तरह अपनी स्कैल्प और बालों पर इस मास्क को लगाएं और 30 मिनट बाद धो लें।

आप इसे सप्ताह मे एक बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंडा और नींबू से बनाएं मास्क

अंडे में मौजूद प्रोटीन बालों को मजबूत बनाता है और स्किन को टाइटन करता है, जबकि नींबू तैलीयपन को कम करता है और चमक देता है।

कैसे बनाएं–

एक अंडे को फेंटें।

सूखे बालों और स्किन के लिए जर्दी जबकि ऑयली स्कैल्प व स्किन के लिए व्हाइट हिस्से का इस्तेमाल करें।

अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ताजा नींबू का रस मिलाएं।

इसकी एक पतली लेयर स्किन पर लगाएं। इसे 10–15 मिनट तक सूखने दें। ठंडे पानी से धो लें।

वहीं, बालों के लिए आप इसे जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं। 20–30 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर ठंडे पानी और शैम्पू से धो लें।

सप्ताह में एक बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

पिंडलियों में ब्लड क्लॉट्स, जानें क्यों होता है और इससे कैसे बचें

अपने समय की मशहूर अभिनेत्री और दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार की पत्नी सायरा बानो इन दिनों एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही हैं। उम्र बढ़ने के साथ उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। सायरा बानो की पिंडलियों में ब्लड क्लॉट्स (रक्त का थक्का) बनने की वजह से उन्हें चलने–फिरने में परेशानी हो रही है।

पिंडलियों में दर्द और ब्लड क्लॉट का कारण

सर्दियों में पिंडलियों में दर्द और जकड़न होना आम समस्या है, लेकिन ब्लड क्लॉट्स की वजह से यह समस्या गंभीर हो सकती है। ब्लड क्लॉट बनने के कुछ प्रमुख कारण हैं–

चोट या आघात

चोट लगने से रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे खून का थक्का जमने का खतरा बढ़ जाता है। यह समस्या विशेष रूप से तब होती है जब चोट गहरी हो और लंबे समय तक ठीक न हो। आघात से मांसपेशियों में खिंचाव भी होता है, जिससे रक्त का प्रवाह प्रभावित होता है।

धूम्रपान

धूम्रपान करने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे खून का प्रवाह बाधित होता है। इससे रक्त गाढ़ा होने लगता है और थक्का जमने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, धूम्रपान से रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे दिल और रक्त वाहिकाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

मोटापा

मोटापा रक्त वाहिकाओं पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे खून का प्रवाह धीमा हो सकता है। अधिक वजन के कारण शरीर में सूजन और सूक्ष्म रक्त वाहिकाओं की रुकावट हो सकती है। इससे न केवल ब्लड क्लॉट्स का खतरा बढ़ता है, बल्कि अन्य हृदय रोगों की संभावना भी अधिक होती है।

पारिवारिक इतिहास

यदि परिवार में किसी को ब्लड क्लॉट की समस्या रही हो, तो इसका खतरा आनुवांशिक रूप से बढ़ सकता है। यह समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब परिवार में अन्य बीमारियां, जैसे डायबिटीज, हृदय रोग, या हाई ब्लड प्रेशर, पहले से मौजूद हों।

लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना

यदि आप लंबे समय तक बैठे या खड़े रहते हैं, तो खून का प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे रक्त वाहिकाओं में थक्का जम सकता है। यह समस्या विशेष रूप से उन लोगों में अधिक होती है, जो कार्यालय में लंबे समय तक काम करते हैं या यात्रा के दौरान घंटों तक एक ही स्थिति में रहते हैं।

तनाव

अत्यधिक मानसिक तनाव रक्तचाप बढ़ा सकता है, जिससे रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो रक्त को गाढ़ा करने और थक्का जमने का खतरा बढ़ा देता है।

शारीरिक निष्क्रियता

अगर आप नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते, तो मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और रक्त प्रवाह धीमा हो सकता है। यह स्थिति ब्लड क्लॉट्स के खतरे को बढ़ाती है, खासकर पिंडलियों और पैरों में।

गर्भावस्था

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं में रक्त प्रवाह धीमा हो सकता है, जिससे ब्लड क्लॉट बनने का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा, हार्मोनल बदलाव और बढ़ते वजन के कारण रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ता है।

हार्मोनल दवाइयां

कई बार हार्मोनल दवाइयां, जैसे कि गर्भनिरोधक गोलियां, रक्त गाढ़ा करने का कारण बन सकती हैं। इससे रक्त वाहिकाओं में थक्का जमने की संभावना बढ़ जाती है।

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर

डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां रक्त वाहिकाओं को कमजोर बना सकती हैं। इससे खून का प्रवाह बाधित होता है और ब्लड क्लॉट्स बनने का खतरा बढ़ता है। इन सभी कारणों को समझकर समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। नियमित जांच, स्वस्थ जीवनशैली, और समय–समय पर डॉक्टर की सलाह लेना ब्लड क्लॉट्स जैसी गंभीर समस्याओं से बचा सकता है।

ब्लड क्लॉट्स के लक्षण

अचानक दर्द का महसूस होना

ब्लड क्लॉट्स का सबसे सामान्य लक्षण अचानक किसी अंग, खासकर पैरों या पिंडलियों में दर्द महसूस होना है। यह दर्द मांसपेशियों में खिंचाव जैसा महसूस हो सकता है और धीरे–धीरे बढ़ता है।

सूजन और लालिमा

ब्लड क्लॉट के कारण प्रभावित क्षेत्र में सूजन आ सकती है। पिंडलियां या पैरों की त्वचा लाल हो जाती है और छूने पर गर्म महसूस होती है। यह लक्षण रक्त प्रवाह बाधित होने का संकेत हो सकता है।

अंग में गर्मी महसूस होना

जहां पर ब्लड क्लॉट्स बना होता है, वहां की त्वचा सामान्य से अधिक गर्म महसूस हो सकती है। यह शरीर में सूजन और रक्त प्रवाह में रुकावट के कारण होता है।

सांस लेने में दिक्कत

अगर ब्लड क्लॉट्स शरीर के अन्य हिस्सों से फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं, तो यह गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। इसमें सांस लेने में कठिनाई, छाती में दर्द और तेज धड़कन जैसे लक्षण हो सकते हैं।

पैर या अंग में कमजोरी और सुन्नता

ब्लड क्लॉट्स के कारण रक्त संचार बाधित हो सकता है, जिससे प्रभावित क्षेत्र में कमजोरी, भारीपन, या सुन्नता महसूस हो सकती है।

त्वचा का रंग बदलना

ब्लड क्लॉट के प्रभाव से त्वचा का रंग हल्का नीला या बैंगनी हो सकता है। यह संकेत है कि रक्त संचार बाधित हो गया है। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ब्लड क्लॉट्स समय पर इलाज न होने पर जानलेवा साबित हो सकते हैं। ब्लड क्लॉट्स के इलाज के लिए डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं का सेवन और नियमित फिजियोथेरेपी से मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है। इसके

अलावा–

1. गंभीर मामलों में सर्जरी की जरूरत हो सकती है।
2. लंबे समय तक बैठे या खड़े रहने से बचें और पिंडली को आराम दें।
3. स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, धूम्रपान छोड़ें, और नियमित रूप से व्यायाम करें।
4. हेल्दी खानपान से शरीर को मजबूत बनाए रखें।
5. सर्दियों में पिंडलियों के दर्द से बचने के उपाय
6. ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें।
7. पर्याप्त पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।
8. नियमित एक्सरसाइज से मांसपेशियों को मजबूत करें।
9. पिंडलियों में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के लिए हल्की मसाज करें।

सायरा बानो की स्थिति हमें इस बात का एहसास कराती है कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर का ध्यान रखना कितना जरूरी है। ब्लड क्लॉट्स जैसी समस्याओं से बचने के लिए समय रहते सावधानियां बरतें और जरूरत पड़ने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

विंटर सीजन में बनाएं 3 तरह के मुरब्बा, स्वाद के साथ सेहत को भी मिलेंगे फायदे

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने और स्वाद का आनंद लेने के लिए मुरब्बा एक बढ़िया ऑप्शन है। यह न सिर्फ सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, बल्कि सर्दी में होने वाली आम समस्याओं से भी बचाता है। आज हम आपको 3 तरह के मुरब्बों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होंगे बल्कि यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माने जाते हैं। इन मुरब्बों को बनाना बहुत आसान है और आप इसे लंबे समय तक स्टोर भी कर सकती हैं। ठंड के मौसम में मुरब्बा खाना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसी तासीर ठंडी होती है और यह पेट के लिए भी अच्छा माना जाता है। सर्दियों में इसका सेवन करने से आप कई तरह की समस्याओं से अपना बचाव कर सकते हैं। मुरब्बा न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि आप खाने के बाद इसको डेजर्ट की तरह भी सर्व कर सकती हैं। ऐसे में अगर आपको भी मुरब्बा खाना पसंद है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको विंटर स्पेशल मुरब्बा रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

विंटर स्पेशल मुरब्बा

अलग–अलग चीजों से मुरब्बा बनाकर तैयार किया जाता है। आपने भी कई तरह का मुरब्बा खाया होगा, जैसे– गाजर का मुरब्बा, सेब का मुरब्बा, आंवले का मुरब्बा, संतरे का मुरब्बा, बेल का मुरब्बा आदि। आज हम आपको तीन अलग–अलग मुरब्बों की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप विंटर सीजन में आसानी से घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं।

संतरा मुरब्बा रेसिपी

सबसे पहले एक किलो संतरा छील लें और इसकी स्लाइस निकालकर पल्प किसी बर्तन में निकाल लें। छिलकों से व्हाइट पार्ट को चाकू की मदद से निकाल दें। अब इनको लंबे और पतले–पतले हिस्से में काट लें। अब इस पल्प को मिक्सी में पीस लें और पल्प को कड़ाही में डालकर अच्छे से भून लें। पल्प के भुन जाने पर इसमें बराबर की मात्रा में चीनी मिला दें और करीब 10 मिनट तक चलाएं। अब इसमें गर्म मसाला, लाल मिर्च पाउडर और दालचीनी पाउडर मिलाएं। वहीं छिलकों के कटे हुए टुकड़े भी डाल दें। अब 10 मिनट ढककर तब तक पकाएं, जब तक कि यह गाढ़ा न हो जाए। अच्छे से गाढ़ा होने के बाद इसको ठंडा करके किसी कांच के जार में भर लें। इस तरह से ऑरेंज मुरब्बा बनकर तैयार हो जाएगा।

चेरी मुरब्बा रेसिपी

चेरी का मुरब्बा बनाने के लिए आपको मार्केट से करीब आधा किलो चेरी या क्रेनबेरी लाकर उन्हें अच्छे से धो लें। अब इनमें फोक की मदद से छोटे–छोटे छेद बनाएं। अब एक बर्तन या फिर कड़ाही में गैस के फ्लेम को ऑन करके पानी चढ़ाएं और फिर इसमें चेरी डालें। करीब 2–3 मिनट बाद इन्हें किसी स्ट्रेनर में निकाल लें और ध्यान दें कि इसको ज्यादा देर तक नहीं उबालना है। अगर आप इसको ज्यादा उबाल देंगे तो यह एकदम घुल जाएगा। क्रेनबरी को ठंडा होने के बाद एक कड़ाही में चीनी और चेरी को डालकर ऊपर से पानी डाल दें। अब इसे तब तक अच्छे से चलाते रहें, जब तक चीनी अच्छे से घुल न जाए।

काली हरड़ मुरब्बा रेसिपी

काली हरड़ का मुरब्बा बनाने के लिए आप इसे सबसे पहले धो लें। फिर किसी बर्तन में इसको करीब एक घंटे के लिए फूलने के लिए रख दें। अब दूसरी कड़ाही में डालकर भून लें। फिर दूसरे बर्तन में पानी उबलने के लिए रख दें। काली हरड़ भीग जाने के बाद इसको निकालकर उबलते हुए पानी में डाल दें। अब इसमें ऊपर से चीनी डालें और चलाते रहें। आपको इसे तब तक चलाना है जब तक यह मुलायम न हो जाए। जब यह मिश्रण गाढ़ा हो जाए, तब तक इसको पकाते रहे। अब ऊपर में इसमें नींबू का रस और काला नमक मिलाएं।

संक्षिप्त

शेयर बाजार नियामक सेबी ने एचडीएफसी बैंक को जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार नियामक सेबी ने एचडीएफसी बैंक को प्रशासनिक चेतावनी जारी की है। इसके बाद गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान बैंक के शेयरों में करीब 0.7: की गिरावट दर्ज की गई। बैंक को जारी की गई चेतावनी निवेश बैंकिंग गतिविधियों के आवधिक निरीक्षण के दौरान की गई टिप्पणियों से जुड़ी है। कथित तौर पर बैंक की ओर से सेबी के नियमों के कुछ प्रावधानों का गैर–अनुपालन किया गया। सेबी की चेतावनी के बाद बैंक की ओर से कहा गया कि वह पत्र में जाहिर की गई चिंताओं या निर्देशों को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। पिछले छह महीनों में बैंक के शेयरों में जोरदार उछाल देखा गया है। इस दौरान शेयरों के भाव 18: तक उछले हैं, जिससे बाजार पूंजीकरण में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। एचडीएफसी के साथ विलय के बाद अपने समकक्षों को पीछे छोड़ने वाला यह बैंक असुरक्षित ऋणों की परिसंपत्ति गुणवत्ता से जुड़ी बढ़ती चिंताओं के बीच अपने अपेक्षाकृत बेहतर मार्जिन और परिसंपत्ति गुणवत्ता परिणामों के कारण वर्तमान में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला निजी क्षेत्र का बड़ा बैंक है।

नवंबर में महंगाई से थोड़ी राहतः खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से नीचे 5. 48प्रतिशत पर, सरकारी आंकड़े जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई के मोर्चे पर नवंबर महीने में लोगों को मामूली राहत मिली। सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार,

भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर बीते महीने 5.48: रही। इससे पहले अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर 6.21: थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति को 4: पर रखने का लक्ष्य रखा है, जिसमें दोनों ओर दो प्रतिशत अंकों की सहनशीलता सीमा तय की गई है।

शेयर बाजार में फिर बिकवाली लौटी; सेंसेक्स 236 अंक फिसला, निफ्टी 24550 से नीचे बंद हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को फिर लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन 236.18 (0.28:) अंक कमजोर होकर 81,289.96 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 93.10 (0.38:) अंक टूटकर 24,548.70 पर पहुंच गया। एनटीपीसी और एचयूएल जैसे शेयरों में 3: तक की गिरावट दर्ज की गई।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर ने लगाई ऊंची छलांग, मिला बड़ा सोलर प्रोजेक्ट

अनिल अंबानी की अगुवाई में रिलायंस पावर की सहायक कंपनी को बड़ी सफलता मिली है। तमाम रुकावटों के बावजूद रिलायंस पावर की सहायक कंपनी को सोल और बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट मिला है। रिलायंस पॉवर की सब्सिड्री रिलायंस एनयू सनटेक को मिला है। ये प्रोजेक्ट सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन

ऑफ इंडिया ने दिया है।

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से मिली थी राहत

बता दें कि कुछ समय पहले ही सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने रिलायंस पावर को राहत दी थी। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की ओर से रिलायंस पॉवर को नोटिस जारी किया गया था जो वापस लिया जा चुका है। रिलायंस पॉवर और उसकी सहायक कंपनियां सभी कॉर्पोरेशन टेंडर में हिस्सा लेने के योग्य हो गई है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट की मानें तो रिलयंस एनयू सनटेक 930 मेगावॉट सोलर एनर्जी और बैटरी स्टोरेज सिस्टम का कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर चुका है। इस प्रोजेक्ट के जरिए न्यूनतम बैटरी स्टोरेज क्षमता स्थापित की जानी है। ये क्षमता 465 मेगावॉट/1,860 मेगावॉट घंटा की है। सोलर पॉवर के जरिए ये चार्ज होगा। कंपनी के इस प्रोजेक्ट के लिए टैरिफ 3.53 रुपये प्रति यूनिट के तौर पर हासिल हुआ है।

जानें प्रोजेक्ट की खासियत

रिलायंस एनयू सनटेक इस प्रोजेक्ट का विकास शबिल्ड–ओन–ऑपरेटश मॉडल के तर्ज पर करेगी। बता दें कि इस प्रोजेक्ट के जरिए पीव पॉवर सप्लाई की गांरटी होगी वो भी पूरे चार घंटों के लिए। इस प्रोजेक्ट के साथ ही सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का 25 वर्ष का एग्रीमेंट होगा। इस एग्रीमेंट के जरिए ये सोलर ऊर्जा भारत के विभिन्न कंपनियों को बेची जाएगी।

पाकिस्तान टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी का कटेगा पत्ता! पीसीबी ने कर दिया साफ

पीसीबी ने गिलेस्पी को पहले से ये नहीं बताया कि अब वह साउथ अफ्रीका में बैगर सहायक कोच के होंगे। इस फैसले से वह बेहद नाखुश हैं। उनसे पहले से सलाह नहीं ली गई। ये उनकी नाराजगी का सबसे बड़ा कारण है। ये पिछले कुछ महीनों में गिलेस्पी की भूमिका और अधिकारों को सीमित करने का एक और उदाहरण है।

टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई–परफॉर्मेंस रेड–बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था। वो इसे लेकर निर्णय का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया कि उन्हें लगता है कि टीम के साथ अच्छी प्रगति कर रहे हैं और साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह प्रदिबद्ध हैं, लेकिन पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। वहीं माना जा रहा है कि पीसीबी ने गिलेस्पी को पहले से ये नहीं बताया कि अब वह साउथ अफ्रीका में बैगर सहायक कोच के होंगे। इस फैसले से वह बेहद नाखुश हैं। उनसे पहले से सलाह नहीं ली गई। ये उनकी नाराजगी का सबसे बड़ा कारण है। ये पिछले कुछ महीनों में गिलेस्पी की भूमिका और अधिकारों को सीमित करने का एक और उदाहरण है। अक्टूबर में उन्हें टेस्ट टीम के चयन पैनल से हटा दिया गया। उन्हें कहा गया कि अब वे केवल मैचडे स्ट्रेटजिस्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान की सफेद गेंद की सीरीज के खत्म होने के बाद से खिलाड़ी और बोर्ड के बीच सीमित संवाद था। इस दौरे पर गैरी कर्स्टन के जाने के बाद गिलेस्पी ने अंतरिम आधार पर टीम को कोचिंग दी थी।

जेसन गिलेस्पी हैं नाराज

गिलेस्पी को लगता है कि नीलसन ने खिलाड़ियों के साथ

बहुत अच्छा तालमेल बनाया है। ये बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से कई बार कही है। यही शायद उनके गुस्सा होने की वजह भी है। नीलसन को अनुबंध पाकिस्तान में नहीं रहने के कारण शायद नहीं बढ़ाया गया। ऐसा गिलेस्पी और नीलसन को लगता है।

कौन होगा नीलसन का रिप्लेसमेंट?

फिलहाल, पीसीबी ने अभी तक नीलसन के रिप्लेसमेंट पर निर्णय नहीं लिया है। वर्तमान प्रशासन ने वर्ष की शुरुआत में नियुक्त विदेशी कोचों को पाकिस्तान के कोच से बदलना चाहता है। पीसीबी ने अतीत में विदेशी कोचों के प्रति अपनी अंसतुष्टि का कारण पाकिस्ता में पर्याप्त समय न बिताना बताया है। खास तौर पर गैरी कर्स्टन के मामले में जिन्होंने अक्टूबर में पद छोड़ दिया था। हालांकि, गिलेस्पी ने हमेशा कहा है कि उन्होंने इस संबंध में अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों को पूरा किया है।

एडिलेड की हार से सबक लेंगे रोहित शर्मा! गाबा टेस्ट के लिए बदलेंगे बैटिंग ऑर्डर

रोहित शर्मा सीरीज का पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे, जहां उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी और केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। पर्थ टेस्ट में केएल राहुल ने जिस तरह से बैटिंग की, एडिलेड में खेले गए डे–नाइट टेस्ट मैच के लए उन्हें फिर से ओपन करने का मौका मिला।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में एक बार फिर से पारी का आगाज करते हुए दिख सकते हैं। रोहित शर्मा सीरीज का पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे, जहां उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी और केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। पर्थ टेस्ट में केएल राहुल ने जिस तरह से बैटिंग की, एडिलेड में खेले गए डे–नाइट टेस्ट मैच के लए उन्हें फिर से ओपन करने का मौका मिला, जबकि टीम में कप्तान रोहित शर्मा वापसी करने के बाद मिडिल ऑर्डर में उतरे। ब्रिसबेन टेस्ट की तैयारियों में टीम इंडिया जुटी हुई है और इस दौरान रोहित को नेट्स में नई गेंद से प्रैक्टिस करते हुए देखा गया, जिसके बाद से ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि ब्रिसबेन में रोहित ही यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं। रोहित ने भारत की ओर से कुल 65 ही टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान उनके खाते में 4279 रन दर्ज हैं। रोहित कुल 12 टेस्ट शतक लगा चुके हैं। ओपनिंग की बात करें तो रोहित ने 42 टेस्ट मैचों में पारी का आगाज किया है और इस दौरान उनका औसत करीब 44 रहा है, वहीं नंबर 6 पर उनका औसत करीब 50 का रहा है। नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए रोहित ने तीन दशक लगाए हैं, जबकि ओपन करते हुए उनके खाते में 9 टेस्ट शतक दर्ज हैं। कप्तानी की बात करें तो रोहित का आंकड़ा काफी औसत दर्जे का रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत ने कुल 22 टेस्ट मैच खेले हैं। कप्तानी के दौरान रोहित की बैटिंग काफी औसत रही है। उन्होंने 22 टेस्ट मैचों में 32.42 के मामूली औसत से 1973 रन ही बनाए हैं। बतौर कप्तान रोहित के बैट से महज चार ही टेस्ट शतक आए हैं। रोहित के ओफन करने का मतलब होगा कि केएल राहुल एक बार फिर मिडिल ऑर्डर में बैंटिंग करने आ सकते हैं। रोहित और यशस्वी जायसवाल ओपन करते हैं तो तीसरे नंबर पर शुभमन गिल और चौथे नंबर पर विराट कोहली का आना लगभग तय है और केएल राहुल को पांचवें नंबर पर भेजकर ऋषभ पंत को छठे नंबर पर उतारा जा सकता है।

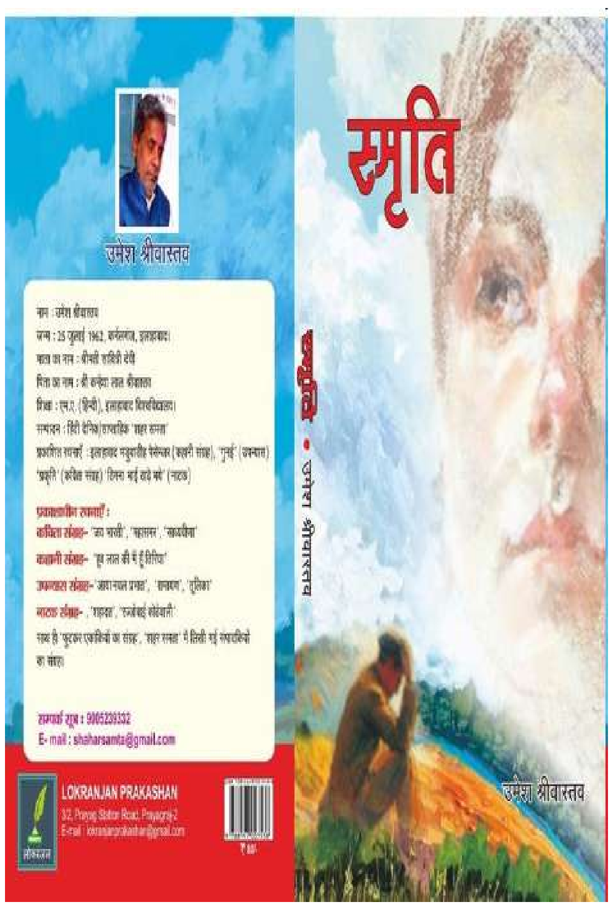

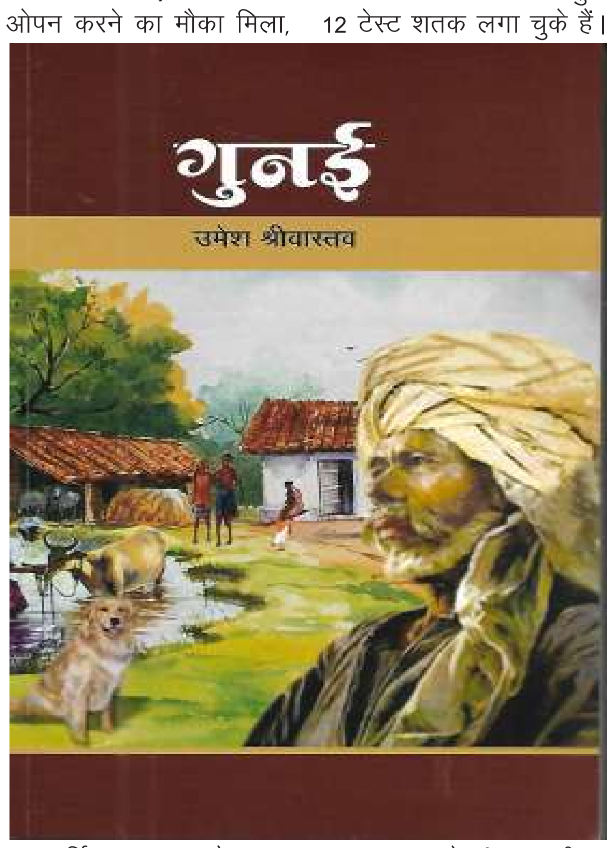

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

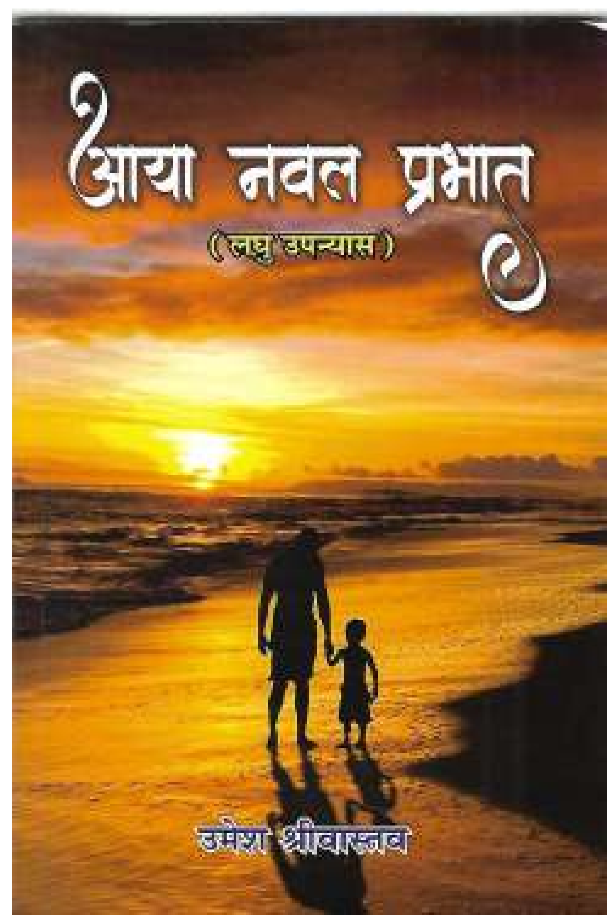

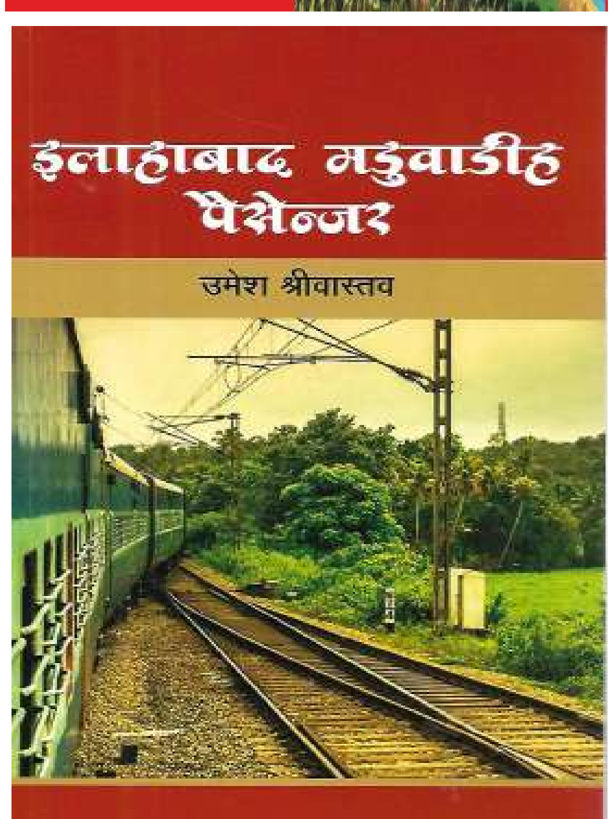

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

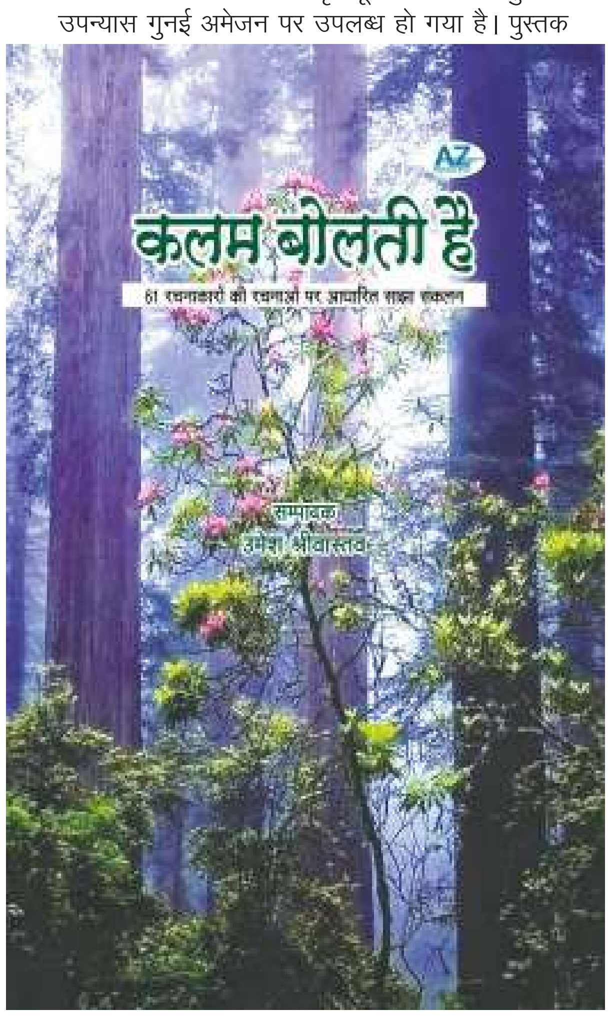

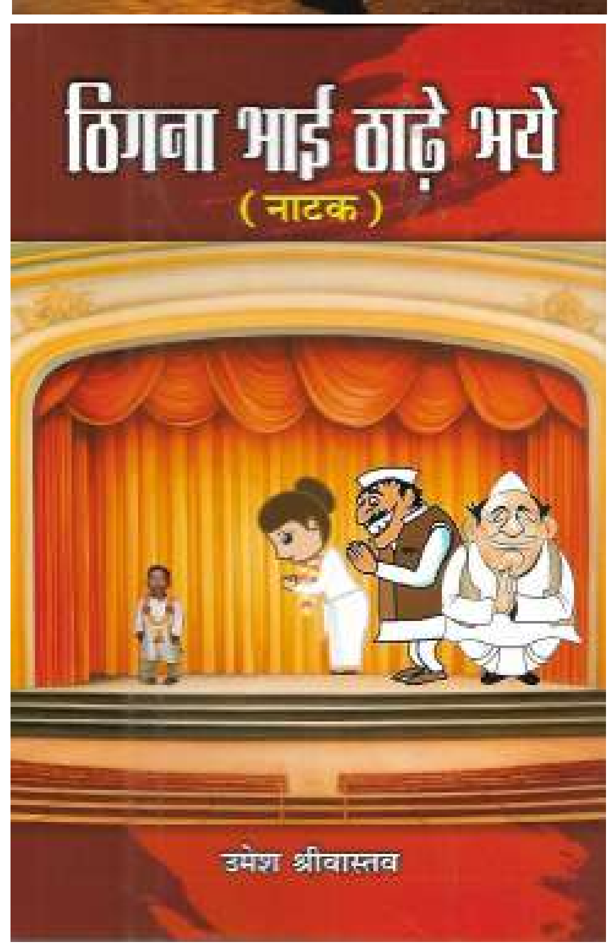

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पहले धमकाया, फिर शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए बुलाया, जिनपिंग को लेकर ट्रंप का अजब-गजब अंदाज

चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी देने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपने उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 11 दिसंबर को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, दावा किया गया कि ट्रम्प ने 5

नवंबर को चुनाव परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद चीनी नेता को निमंत्रण दिया था। हालांकि, रिपोर्ट में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि चीनी राष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार किया या नहीं। इससे पहले एनबीसी न्यूज़ के साथ एक साक्षात्कार में, ट्रम्प ने कहा कि वे शी के साथ बहुत अच्छे थे और उनके बीच इस सप्ताह भी बातचीत हुई थी। गौरतलब है कि उद्घाटन समारोह में विदेशी नेताओं को आमंत्रित करना अमेरिका के लिए अभूतपूर्व होगा। विदेश विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, 1874 के बाद से किसी भी विदेशी नेता ने सत्ता हस्तांतरण समारोह में भाग नहीं लिया। दावे के बावजूद, ट्रम्प के लिए शी को आमंत्रित करना असाधारण होगा क्योंकि उन्होंने चीनी उत्पादों पर भारी शुल्क लगाने की चेतावनी दी थी। ट्रम्प ने प्रचार अभियान के दौरान चीनी सामानों पर 60 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाने की भी धमकी दी। राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इसकी जानकारी सीबीएस न्यूज ने सूत्रों के हवाले से दी गई है।

एमआईटी में भारतीय मूल के पीएचडी छात्र को निलंबित किया गया

अमेरिका स्थित 'मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (एमआईटी) में पीएचडी कर रहे भारतीय मूल के एक छात्र को फलस्तीन समर्थक सक्रियता के कारण जनवरी 2026 तक निलंबित कर दिया गया है और उसने विश्वविद्यालय के फैसले के खिलाफ अपील की है।' एमआईटी कोलिशन अगेंस्ट अपार्थेड' नामक एक संगठन ने 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' साझा करके बताया कि नेशनल साइंस फाउंडेशन के फेलो प्रह्लाद अयंगर को ''जनवरी 2026 तक निलंबित'' कर दिया गया है। संगठन ने कहा कि इस निलंबन से अयंगर की पांच वर्षीय एनएसएफ फेलोशिप समाप्त हो जाएगी तथा उनका शैक्षणिक कैरियर बुरी तरह प्रभावित होगा। उसने कहा कि 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस' विभाग में पीएचडी के छात्र अयंगर ने बुधवार को एमआईटी में कुलपति के समक्ष ''इस निर्णय के खिलाफ अपील कर रहे हैं'' जो ''इस उत्पीड़न को रोकने और उनकी अकादमिक गरिमा को बहाल करने का अंतिम अवसर है।'' संगठन ने कहा, ''यह निर्णय भाषण-संबंधी गतिविधियों के परिणामस्वरूप लगाए गए कई प्रतिबंधों में सबसे कठोर है। इन गतिविधियों में फलस्तीन के मुद्दे पर उनका एक लेख भी शामिल है जिसे अयंगर ने छात्र-संचालित पत्रिका 'रिटन रिवोल्यूशन' के लिए लिखा था।

एफबीआई निदेशक ने जनवरी में इस्तीफा देने का इरादा जताया

अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने बुधवार को कहा कि वह जनवरी में निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंत में इस्तीफा देने की योजना बना रहे हैं। रे ने ब्यूरो के अधिकारियों के साथ बैठक में यह घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ ही दिन पहले काश पटेल को इस पद के लिए नामित करने की घोषणा की थी।

ब्रिटेन में सड़क दुर्घटना में भारतीय छात्र की मौत, चार लोग घायल

पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है। लीसेस्टरशायर की पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह हुआ जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है। पुलिस द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''चिरंजीवी पंगुलुरी (32), माजदा-3 तमुरा में सवार होकर लीसेस्टर से मार्केट हार्बरो की ओर जा रहे थे तभी यह वाहन एक खाई में जा गिरा।'' बयान में कहा गया है, ''पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई तथा वाहन में सवार तीन अन्य यात्री और चालक को अस्पताल ले जाया गया। दो पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हैं।'' बताया जा रहा है कि ये सभी लोग आंध्र प्रदेश से हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

बंगाल में 40 राफेल तैनात, सिर्फ 2 से ही...भारत ने रुख किया कड़ा, घबराए युनूस ने 70 लोगों को पकड़ कर जेल में डाला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चिंतित हैं। विदेश सचिव का बांग्लादेश दौरा भी हुआ। जहां उन्होंने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस से मुलाकात की और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चर्चा की। बाद में विदेश सचिव ने संसदीय कमेटी से मुलाकात कर बांग्लादेश दौरे की जानकारी साझा कर दी कि वहां हो क्या रहा है? विदेश सचिव की यात्रा का असर भी दिखने लगा है। मोहम्मद युनूस अब बैकफुट पर आ गए हैं। अब तक बांग्लादेश में सरकार और प्रशासन ने अपने मुंह पर ताला लगा रखा था। इसका असर भी दिखने लगा है। वो मान रहे हैं कि उनके होते हुए हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाएं रोज सामने आ रही हैं। कल तक सुक्षा देने की बड़ी बड़ी बातें हो रही थी। अब युनूस ने हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को स्वीकार किया है।

युनूस सरकार ने 88 मामलों को स्वीकारा

अगस्त में पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना के प्रस्थान के बाद से बांग्लादेश ने अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं को निशाना बनाकर सांप्रदायिक हिंसा के 88 मामलों की पुष्टि की है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने आंकड़ों का खुलासा किया और कहा कि हमलों के सिलसिले में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घोषणा भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की यात्रा के बाद की गई है, जिन्होंने देश के नेतृत्व के साथ बैठकों के दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण के बारे में चिंता जताई थी। मिस्री ने हमलों की बढ़ती संख्या पर भारत की आशंका व्यक्त की और कमजोर समुदायों की सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया।

2 राफेल ही काफी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं के कथित उत्पीड़न पर बढ़ती चिंताओं के बीच बांग्लादेश के लिए दो राफेल लड़ाकू विमान पर्याप्त होंगे। बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न की निंदा करने के लिए भाजपा ने कई हिंदू संगठनों के साथ मिलकर उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट में बांग्लादेश सीमा के पास घोजाडांगा में विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले सुवेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश की आलोचना करते हुए वहां की स्थिति को खराब बताया। हम बांग्लादेश पर निर्भर नहीं हैं, बांग्लादेश हम पर निर्भर है। अधिकारी ने कहा कि अगर हम 97 उत्पाद नहीं भेजेंगे तो आपको चावल और कपड़े नहीं मिलेंगे. अगर हम झारखंड से उत्पादित बिजली नहीं भेजते हैं, तो 80: गांवों में रोशनी नहीं होगी। उन्होंने बांग्लादेश को राफेल लड़ाकू विमान भेजने पर भी चेतावनी देते हुए कहा कि श्हासीमारा में 40 राफेल विमान तैनात हैं। सिर्फ दो विमान भेजने से काम चल जाएगा।

एंटनी ब्लिंकन ने की अफगानिस्तान में मानवधिकार के उल्लघन की आलोचना, बताया महिलाओं के लिए खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बुधवार को अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन की आलोचना की और अफगान महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ तालिबान की नीतियों की निंदा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समाज में पूरी और समान भागीदारी सिर्फ समानता का मामला नहीं है, बल्कि यह जरूरी भी है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि अमेरिका तालिबान के भेदभावपूर्ण आदेशों की आलोचना करता है, जो अफ़गान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों और जीवन को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा हम अफगान महिलाओं और लड़कियों का दृढ़ समर्थन करते हैं। बता दें कि हाल ही में अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिनिधि से मुलाकात की और अफगान लड़कियों के लिए स्कूलों और विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा को अफगान महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण और देश में समावेशी समाज की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

तालिबानी महिला चिकित्सा की शिक्षा पर प्रतिबंध की आलोचना

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक प्रेस बयान में तालिबान के महिलाओं को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगाने की आलोचना की। विभाग ने कहा यह तालिबान का हालिया फैसला अफ़गान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को खतरे में डालने की एक और कोशिश है। यह शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच पर हमला है। इसके साथ ही बयान में कहा गया तालिबान के पहले के आदेशों ने महिलाओं को पुरुषों से स्वास्थ्य सेवाएं लेने और बिना पुरुष अभिभावक के यात्रा करने से रोका था। अब, चिकित्सा शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने से ये समस्याएं और बढ़ेंगी।

अमेरिकी विदेश विभाग का बयान

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि अफ़गान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों के समर्थन में अमेरिका हमेशा खड़ा रहेगा और समाज में उनकी पूरी भागीदारी के लिए सभी अफ़गानों के साथ रहेगा। विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से तालिबान के इन आदेशों की आलोचना करने और अफ़गान महिलाओं और लड़कियों का समर्थन करने का आह्वान किया।

ब्लिंकन की अपील

ब्लिंकन ने अजरबैजान से भी मीडिया और नागरिक समाज के खिलाफ अपनी कार्रवाई को रोकने और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का पालन करने की अपील की। उन्होंने लिखा कि हम अज़रबैजान से अपने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने और बिना किसी वजह के हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करने की अपील करते हैं।

अफगानिस्तान में धमाका, तालिबान शरणार्थी मंत्री की मौत, थरूर से मिला यूरोपिय संघ का प्रतिनिधिमंडल

अफगानिस्तान में एक भीषण आत्मघाती बम धमाके में तालिबान शरणार्थी मंत्री खलीली हक्कानी और दो अन्य लोगों की मौत हो गई है। आंतरिक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा, धमाका मंत्रालय के अंदर हुआ। हक्कानी ने बुधवार को उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की अध्यक्षता में एक बैठक की थी। खलीली हक्कानी कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी का चाचा था, जो तालिबान के भीतर एक शक्तिशाली नेटवर्क का नेतृत्व करता था। धमाके का शक आईएस पर जताया गया है।

थरूर से मिला यूरोपिय संघ का प्रतिनिधिमंडल

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन के आवास पर 26 यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। बुधवार को हुई इस बैठक में भारतीय विदेश नीति की भूमिका, अवसर और चुनौतियों समेत कई मुद्दों पर बातचीत की गई। थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए इसकी जानकारी दी। यूएन राजदूत ने भी चीन, रूस, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को लेकर थरूर से चर्चा की।

गूगल ने ओपन-एआई का माइक्रोसॉफ्ट से सौदा तोड़ने को कहा

गूगल ने अमेरिकी सरकार से ओपन-एआई तकनीक को अपने क्लाउड सर्वर पर होस्ट करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता तोड़ने को कहा है। यह बातचीत तब हुई जब अमेरिकी संघीय व्यापार आयोग ने एक जांच के हिस्से के रूप में गूगल से माइक्रोसॉफ्ट की व्यावसायिक प्रथाओं के बारे में पूछा। वार्ता का विवरण चर्चा में शामिल सूत्रों ने दिया।

ब्रिटेन रू चचेरे भाई बहनों की शादी पर पाबंदी से चिंता

ब्रिटेन में भारतीय मूल के सांसद इकबाल मोहम्मद ने हाउस ऑफ कॉमन्स में पेश किए गए एक बिल पर चिंता जताई है। इसमें चचेरे भाई-बहनों में शादी पर पाबंदी लगाने की मांग की गई है। यह बिल सदन में पहली बार पढ़ा गया और सांसद रिचर्ड होल्डन ने प्रस्ताव पेश करने के लिए 10 मिनट की नियम प्रक्रिया का इस्तेमाल किया।

भारत में थाईलैंड की ई-वीजा प्रणाली एक जनवरी से प्रभावी

भारत में थाईलैंड की इलेक्ट्रॉनिक वीजा प्रणाली एक जनवरी से प्रभावी होगी। यह घोषणा थाई दूतावास ने बुधवार को की। दूतावास ने यह भी कहा कि सभी प्रकार के वीजा के लिए आवेदन वेबसाइट थाईवीजा.जीओ.टीएच के माध्यम से भेजे जाने चाहिए। वीजा प्रोसेसिंग समय वीजा शुल्क की रसीद जारी होने की तारीख से करीब 14 कार्य दिवसों के भीतर होगा।

भारत ने श्रीलंका से मछुआरों को रिहा करने का किया आग्रह

भारत ने श्रीलंका से हिरासत में लिए गए मछुआरों की जल्द रिहाई का आग्रह किया है। भारत ने कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने बुधवार को श्रीलंका के मत्स्य पालन और महासागर संसाधन मंत्री रामलिंगम चंद्रशेखर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र में विकासात्मक सहायता परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। भारतीय मिशन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय उच्चायुक्त ने मछुआरों के मुद्दे को सुलझाने में मानवीय और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया है। साथ ही हिरासत में लिए गए मछुआरों की जल्द रिहाई का भी अनुरोध किया है।

पोप को प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण संबंधी पुस्तकें दीं

भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस से मिलकर उन्हें दो किताबें भेंट कीं। इनमें पहली 'मोदी/20 रू ड्रीम्स मीट डिलीवरी' और दूसरी 'मन की बात/100 रू इनसाइटिंग कलेक्टिव गुडनेस' हैं। भाजपा प्रवक्ता अनिल के एंटनी ने कहा, प्रतिनिधिमंडल ने पीएम नरेंद्र मोदी के शासन और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, सांस्कृतिक और कूटनीतिक आदान-प्रदान के एक संकेत के रूप में पुस्तकें भेंट कीं। कार्यों को प्रकाशित करने के लिए जिम्मेदार ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने इस महत्वपूर्ण क्षण पर गर्व जताया।

थैंक्यू मोदी जी! भारत ने सीरिया से 75 लोगों को बाहर निकाला

सीरिया में जारी उठापटक के बीच भारतीयों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। बशर अल असद की सरकार के खिलाफ तख्तापलट के बाद भारत ने अपने 75 नागरिकों को सकुशल वतन वापस बुला लिया है। भारत ने सीरिया में विद्रोहियों द्वारा बशर अल असद की सरकार को सत्ता से हटाए जाने के दो दिन बाद 75 भारतीय नागरिकों को बाहर निकाला है। सीरिया से घर लौटने वाले 75 भारतीय नागरिकों में से पहले गाजियाबाद निवासी ने दमिश्क की भयावह स्थिति के बारे में बताया और मदद के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया। रवि भूषण ने एएनआई को भारतीय दूतावास द्वारा भारतीय नागरिकों को घर वापस लाने में मदद के लिए किए गए प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है और हम पहली टीम हैं जिसने सीरिया से बचाया। सबसे अच्छी बात यह है कि उन्होंने हर किसी से संपर्क किया। वे उन्हें प्रेरित भी कर रहे थे और उनसे पूछ रहे थे कि क्या वे ठीक हैं। भूषण ने एएनआई को बताया कि सीरियाई दूतावास उन्हें हर घंटे संदेशों के माध्यम से अपडेट करता रहा कि वे बचाव अभियान के संबंध में कब और क्या करने जा रहे हैं। अगर किसी को भोजन या किसी भी चीज की दिक्कत हुई तो उन्होंने उसकी व्यवस्था की। हम भारत सरकार और लेबनान और सीरिया दोनों स्थानों पर भारतीय दूतावास के बहुत आभारी हैं। दूसरे देशों के लोगों की पीड़ा को देखकर भूषण को लगा कि भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयास बहुत अच्छे हैं।

'जॉय बांग्ला' अब नहीं होगा बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा, सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

ढाका, एजेंसी। 'जॉय बांग्ला' अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा नहीं होगा। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने एक आदेश में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के लोकप्रिय जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हाईकोर्ट के 10 मार्च 2020 के फैसले के खिलाफ दो दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। मामले में मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को आदेश पारित किया। आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय नारा सरकार के नीतिगत निर्णय का मामला है और न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सुनवाई में सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक ने कहा कि इस आदेश के बाद जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा।

यह था हाईकोर्ट का फैसला

उच्च न्यायालय ने 10 मार्च 2020 को श्जॉय बांग्लाश को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। कोर्ट ने सरकार को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया था ताकि नारे का इस्तेमाल सभी राज्य समारोहों और शैक्षणिक संस्थानों की सभाओं में किया जा सके। इसके बाद 20 फरवरी 2022 को हसीना के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने इसे राष्ट्रीय नारे के रूप में मान्यता देते हुए एक नोटिस जारी किया और अवामी लीग सरकार ने 2 मार्च 2022 को एक गजट अधिसूचना जारी की।

लगातार पलट रहे फैसले

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक दिसंबर को 15 अगस्त को राष्ट्रीय शोक दिवस और सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। इससे पहले 13 अगस्त को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद ने फैसला लिया था कि 15 अगस्त को कोई राष्ट्रीय अवकाश नहीं होगा। कुछ दिन पहले बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक ने करेंसी नोटों से बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर हटाने का फैसला लिया था। बांग्लादेश में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी शेख हसीना को पांच अगस्त को प्रधानमंत्री पद और देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश की सत्ता संभाली। इसके बाद बंगबंधु शेख रहमान और शेख हसीना के खिलाफ फैसले लिए जा रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप ने की दो और प्रमुख नियुक्तियां, ड्रयू फर्गुसन को एफटीसी चीफ तो किंबर्ली को ग्रीस का राजदूत चुना

वाशिंगटन। अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो और प्रमुख नियुक्तियां की है। ट्रंप ने एंड्रयू फर्गुसन को फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) के अगले प्रमुख के तौर पर नामित किया है। वहीं ग्रीस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर किंबर्ली गिलफॉयल को नियुक्त किया है। फर्गुसन लीना खान की जगह लेंगे, जो अरबों डॉलर के कॉरपोरेट अधिग्रहणों को अवरुद्ध करके तथा प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार का आरोप लगाते हुए अमेजन और मेटा पर मुकदमा दायर करके चर्चा का केंद्र बनीं।

ग्रीस में अमेरिका के राजदूत की नियुक्ति

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरगंज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।